TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | संविधान के संकल्प से गूंजा आगरा... (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | शुक्रवार | दिनांक- 27.11.2026

केंद्रीय कैबिनेट की बैठकः पीएम मोदी मंत्रियों के साथ आज करेंगे मंथन, महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा संभव



एजेंसी, नई दिल्ली।

संसद के दोनों सदनों की बैठक दोबारा बुलाए जाने के प्रस्ताव के बाद अब सरकार ने अपनी रणनीति को अंतिम रूप देने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल (शुक्रवार, 27 नवंबर 2026) केंद्रीय कैबिनेट और मंत्रियों के साथ एक अहम बैठक में गहन मंथन करेंगे। माना जा रहा है कि इस बैठक में आगामी संसद सत्र के विधायी एजेंडे, महत्वपूर्ण विधेयकों और सदन में सरकार की रणनीति पर चर्चा होगी।

महिला कोटा विधेयक पर चर्चा संभवः सूत्र

इस बीच, समाचार एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि संसद के सत्र से पहले शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में परिसीमन से जुड़े महिला कोटा विधेयक पर चर्चा होने की संभावना है।

संसद सत्र की रूपरेखा पर होगा मंथन

गौरतलब है कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया था कि सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से सोमवार, 30 नवंबर 2026 को और राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन से बुधवार, 2 दिसंबर 2026 को सदन की बैठक बुलाने का अनुरोध किया है।

मंत्रियों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश

सत्र की तैयारियों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पहले ही मंत्रियों को 15 दिसंबर से पहले अपने-अपने मंत्रालयों के सभी विधायी और प्रशासनिक कार्य पूरे करने तथा विदेश यात्राओं से बचने की सलाह दे चुके हैं। कल होने वाले मंथन में सभी मंत्रालयों से उनके लंबित प्रस्तावों और विधेयकों की स्थिति पर रिपोर्ट ली जा सकती है, ताकि 30 नवंबर से शुरू होने वाली कार्यवाही के दौरान सदन में पूरी तैयारी के साथ उतरा जा सके।

सियासी गलियारों में हलचल, विपक्ष की भी बैठक आज

एक तरफ जहां कल पीएम मोदी मंत्रियों के साथ मंथन करेंगे, वहीं दूसरी तरफ विपक्षी खेमे में भी हलचल तेज है। सरकार की ओर से लिए जाने वाले विधेयकों का स्पष्ट ब्योरा सामने न आने के कारण परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े संभावित संशोधन विधेयकों को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। इसी के मद्देनजर कांग्रेस ने भी कल (27 नवंबर) शाम 4:30 बजे दिल्ली में सोनिया गांधी की अध्यक्षता में अपने संसदीय रणनीति समूह की बैठक बुलाई है।

सीएम योगी आज 1,594 नवचयनित अभ्यर्थियों को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र, इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित होगा समारोह

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार (27 नवंबर) को लखनऊ में 1,594 नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। इसमें 201 लेखा परीक्षक (ऑडिटर) और 1,393 सहायक लेखाकार (असिस्टेंट अकाउंटेंट) के पद शामिल हैं। यह कार्यक्रम गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हॉल में आयोजित किया जाएगा। इसमें वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की भी गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। इन सभी अभ्यर्थियों का चयन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों की तैनाती उत्तर प्रदेश वित्त विभाग के आंतरिक लेखा एवं लेखा परीक्षा निदेशालय के अंतर्गत की जाएगी।

योगी सरकार में यमुना प्राधिकरण की आर्थिक रफ्तार को नई उड़ान

एक साल में चार गुना बढ़ीं प्राप्तियां, 7,071 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार

एजेंसी, लखनऊ।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं निवेश केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को प्राधिकरण की 94वीं बोर्ड बैठक में औद्योगिक विकास, निवेश विस्तार, किसानों के हित, पर्यावरण संरक्षण और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े 12 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक की अध्यक्षता अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त तथा यीडा अध्यक्ष आलोक कुमार ने की। मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने विभिन्न प्रस्ताव प्रस्तुत किए।

बैठक में प्राधिकरण की आर्थिक प्रगति का महत्वपूर्ण आंकड़ा सामने आया। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 30 अक्टूबर 2025 तक कुल प्राप्तियां 1,746.38 करोड़ रुपये थीं, जबकि वित्तीय वर्ष 2026-27 में 30 अक्टूबर 2026 तक यह बढ़कर 7,071.48 करोड़ रुपये हो गईं।

इस प्रकार पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में प्राप्तियों में लगभग चार गुना वृद्धि दर्ज की गई। भूमि अधिग्रहण के लिए निर्धारित 8,000 करोड़ रुपये के बजट में से 4,985.47 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, जो बजट का 62.32 प्रतिशत है। जेवर एयरपोर्ट परियोजना के भूमि अधिग्रहण पर 566.15 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। इसके अलावा निर्माण एवं विकास कार्यों पर 383 करोड़ रुपये तथा विशेष परियोजनाओं के लिए एनएचएआई को 555.38 करोड़ रुपये दिए गए।

निवेश आकर्षित करने के लिए यीडा ने उत्तर प्रदेश निजी बिजनेस पार्क विकास योजना-2025 को अंगीकृत किया है। इसके तहत सेक्टरों का चयन, भूखंडों का नियोजन और योजना का ब्रोशर तैयार किया जाएगा। वहीं, इन्वेस्ट यूपी से प्राप्त लैंड फैसिलिटेशन लेटर और निवेश सारथी पोर्टल पर मिल रहे निवेश प्रस्तावों के दृष्टिगत सेक्टर-4ए और 8ई में औद्योगिक भूखंडों के लिए किसानों से आपसी सहमति के आधार पर भूमि खरीदने का निर्णय लिया गया।

आवासीय भूखंड आवंटियों को राहत देते हुए लीज डीड निष्पादन के बाद भवन निर्माण की निःशुल्क समयसीमा 31 दिसंबर 2026 से बढ़ाकर 31 दिसंबर 2027 कर दी गई है। किसानों के विवाद और न्यायालयों के स्थगन आदेशों के कारण कुछ आवासीय क्षेत्रों में सड़क, सिविल और इलेक्ट्रिकल कार्य अधूरे हैं। इसके अलावा प्राधिकरण के कॉर्पस फंड के उपयोग के लिए विनियमावली तैयार की गई है।

यूपी चुनाव 2027

सपा ने जारी किया घोषणा पत्र

पहली कैबिनेट में 10 लाख नौकरियां, 300 यूनिट मुफ्त बिजली और बेटियों को सोना

एजेंसी, लखनऊ।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में अखिलेश यादव ने अगले वर्ष प्रस्तावित चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी का घोषणा पत्र जारी करते हुए वादा किया कि उनकी पार्टी सत्ता में आती है, तो पांच साल के भीतर 25 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और दो से तीन करोड़ युवाओं को अन्य क्षेत्रों में रोजगार देंगे। 10 लाख नौकरी का प्रस्ताव पहली कैबिनेट बैठक में पारित कराया जाएगा।

महिलाओं के लिए प्रथक घोषणा पत्र जारी करने की बात करते हुए कहा कि बुजुर्ग महिलाओं को 40,000 रुपये सालाना पेंशन दी जाएगी और किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा। उन्होंने जाति जनगणना और सरकारी ठेकों में 50 प्रतिशत आरक्षण का भी वादा किया। 12वीं कक्षा पास करने वाले छात्रों को मुफ्त लैपटाप की अपनी पुरानी योजना को बहाल करने का भी वादा किया। घोषणापत्र में बेटियों के जन्म पर सरकार की ओर से 10 ग्राम तक सोना देने का भी वादा किया गया है। यह पहली बार है जब किसी भी राजनीतिक दल के घोषणापत्र में सोना देने की बात शामिल की गई है। संविधान दिवस पर गुरुवार को जारी इस घोषणा पत्र को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस बार "सत्ताइस का संकल्प : पीडीए का प्रणपत्र-जन-मन का मेनिफेस्टो" नाम दिया है।

युवाओं को साधने की तैयारी

घोषणापत्र में सपा ने चुनावी वादों के जरिये रोजगार, सामाजिक न्याय और आर्थिक सुरक्षा को केंद्र में रखा है। पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक न्याय का भरोसा देने के साथ युवाओं, किसानों, महिलाओं, कर्मचारियों और छोटे कारोबारियों की अपेक्षाओं को भी जगह दी गई है। वहीं, कानून-व्यवस्था और अपराध के मामले में जीरो टालरेंस का वादा कर भाजपा के बेहतर कानून-व्यवस्था के सबसे मजबूत मुद्दे की काट करने की भी कोशिश की है। पहली कैबिनेट बैठक में 10 लाख सरकारी पदों को तत्काल भरने का निर्णय लेने और पांच वर्षों में 25 लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा किया गया है। भर्ती परीक्षाओं का वार्षिक कैलेंडर



बनाने, एक चरण वाली भर्ती तीन महीने और दो से तीन चरणों वाली भर्ती छह महीने में पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है।

स्वास्थ्य व शिक्षा प्रणाली में अल्पकालिक संविदा भर्तियों को बंद कर एक साल में खाली पदों पर नियुक्तियां की जाएंगीं। पेपर लीक रोकने को संबंधित अधिकारी और मंत्री की व्यक्तिगत जवाबदेही तय करने की बात कही गई है।

संविदा नौकरी मिलने तक बेरोजगार स्नातकों को पांच हजार रुपये पोषण भत्ता देने, ग्रामीण क्षेत्रों में 150 दिन रोजगार की कानूनी गारंटी और शहरी रोजगार गारंटी अधिनियम लाने का भी वादा है। अग्निवीरों को पुलिस व अन्य विभागों में रोजगार देने तथा हर वर्ष 20 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने की बात कही गई है।

कृषि क्षेत्र में सपा ने तत्काल कर्जमाफी लागू करने का वादा किया है। 23 फसलों और दूध पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी के साथ आलू, टमाटर और प्याज जैसी फसलों के लिए मूल्य क्षतिपूर्ति योजना की घोषणा की गई है।

गन्ना किसानों के भुगतान के लिए 15 हजार करोड़ रुपये का कार्पस फंड बनाने और 24 घंटे के भीतर भुगतान सुनिश्चित करने का वादा है। सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली और ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की बात कही गई है। घोषणा, पत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य विषयों और वर्गों के लिए भी वादे किए गए हैं।

अखिलेश यादव ने घोषणापत्र जारी करते हुए कहा कि सपा केवल घोषणापत्र बनाती नहीं, बल्कि उसे लागू भी करती है। उन्होंने संविधान और सामाजिक न्याय की लड़ाई को पीडीए की राजनीति से जोड़ते हुए कहा कि अब पीडीए के लोग अपनी सरकार बनाने के लिए एकजुट हो रहे हैं।

अपराधी किसी जाति, धर्म या दल का हो, जेल भेजा जाएगा

घोषणापत्र में विपक्ष के सपा की सरकार में कथित गुंडराज के आरोपों की धार भी कमजोर करने की कोशिश की गई है। सपा प्रमुख ने भरोसा दिलाते हुए कहा कि अगले साल जब हम सत्ता में आएंगे तो किसी भी कीमत पर कोई भी गुंडागर्दी, माफियागिरी, जमीन पर कब्जे, अवैध वसूली, धमकाना, डराना, महिलाओं के प्रति अपराध बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

अपराधी चाहे किसी भी जाति का, किसी भी धर्म का, किसी भी पार्टी का हो, उसे जेल भेज दिया जाएगा। अपराधों और महिलाओं, पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों के प्रति संगठित अपराध के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति होगी। किसी भी माफिया या प्रभावशाली व्यक्ति को जमीन पर कब्जा नहीं करने दिया जाएगा, इसके लिए विशेष एसटीएफ बनाई जाएगी, जो केवल जमीन विवादों को हल करेगी। उनके लिए अलग रंग की गाड़ियां बनाई जाएगी, जो निरंतर पेट्रोलिंग करेगी। उन्होंने प्रत्येक जिले में साइबर यूनिट स्थापित करने, प्रमुख शहरों में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने, गांवों-कस्बों में सीसीटीवी व ड्रोन निगरानी बढ़ाने, महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष पुलिस ढांचा, 33 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व और खाली पुलिस पद तत्काल भरने की बात कही है।

यूपी: लखनऊ पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष ने दी गठबंधन की बयानबाजी पर नसीहत

एजेंसी, लखनऊ।

प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले सपा और कांग्रेस के नेताओं के बीच सीट बंटवारे को लेकर चल रही खींचतान और आरोप-प्रत्यारोप के बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने स्पष्ट किया कि गठबंधन बरकरार रहेगा। उन्होंने दोनों दलों के नेताओं को नसीहत दी कि वे अहंकार की भाषा न बोलें और ऐसी कोई बात न कहें, जिससे गठबंधन पर असर पड़े।

संविधान रक्षा मार्च में शामिल होने लखनऊ पहुंचे खरगे प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कार्यकताओं को संबोधित कर रहे थे। खरगे ने कहा, जब तक हम जीत हासिल नहीं कर लेते, तब तक हमें जिन कठिनाइयों से गुजरना है, हम गुजरते रहेंगे। लेकिन हमें जीत पक्की करनी है, सब मिलकर लड़ना है और आगे बढ़ना है। किसी को भी अहंकार की बात नहीं करनी चाहिए, चाहे वह कोई भी हो। हमारी पार्टी और दूसरी पार्टी, जिसके साथ हमारा गठबंधन है गठबंधन रहेगा।

उन्होंने कहा, अहंकार की बात किसी को नहीं करनी चाहिए, क्योंकि हमें भाजपा को हटाना है। हमें मोदी और योगी की सरकार को हटाना है। जब तक ये मोदी-योगी हैं, यहां ऐसे लोगों की कमाई होगी, जो सिर्फ अपनी चलाएंगे। इसलिए आप गठबंधन को मजबूत करें और सरकार चुनकर लाएं। राष्ट्रीय



अध्यक्ष ने यह भी नसीहत दी कि अंदरूनी झगड़े जीत में बाधा बनेंगे, इसलिए आपस में न झगड़ें।

अपने भाषण की शुरूआत में खरगे ने कहा कि वे सांसद इमरान मसूद को सुनते रहते हैं और वे बहुत जोश से बात करते हैं। उन्होंने कहा, हमें बातों के साथ काम भी करना है। मसूद पार्टी के लिए लड़ते हैं। गौरतलब है कि गठबंधन में सीटों के बंटवारे की चर्चा के बीच सपा ने पांच प्रत्याशी घोषित कर दिए थे। इसके बाद से कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष व सांसद इमरान मसूद सपा पर खासे हमलावर हैं, जिस पर सपा की ओर से सांसद इकरा हसन ने भी कड़ा जवाब दिया है।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी, सांसद इमरान मसूद, तनुज पुनिया, किशोरी लाल शर्मा, उज्ज्वल रमण सिंह, विधायक दल के नेता वीरेंद्र चौधरी, अनिल जयहिंद, पूर्व सांसद पीएल पुनिया, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, अजय सिंह लल्लू और सुप्रिया श्रीनेत आदि उपस्थित थे।

हम कबाड़ सीटें नहीं लेंगेः मसूद

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने इससे पहले सुबह सपा-कांग्रेस सीट बंटवारे पर मीडिया से बातचीत में कहा था कि हम कबाड़ सीटें नहीं लेंगे। उन्होंने दो टूक कहा, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि अगर आप हमें कबाड़ सीटें देंगे, तो हम नहीं लेंगे। आप उन सीटों पर खुद लड़ लीजिए। हम वहीं लड़ेंगे, जहां नतीजे दे पाएंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, जब अखिलेश यादव मुख्यमंत्री थे, तब भी हमने 107 सीटों पर चुनाव लड़ा था। अब तो हमारी सरकार बननी है, इसलिए इससे कम सीटों का कोई अर्थ नहीं है।

बिना अनुमति संविधान रक्षा मार्च निकाल रहे कांग्रेसी हिरासत में

जिला प्रशासन ने कांग्रेस को संविधान रक्षा मार्च निकालने की अनुमति नहीं दी थी। इसके बावजूद, पार्टी कार्यालय में हुए कार्यक्रम के बाद प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा और प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मार्च निकाला।

पार्टी कार्यालय से करीब 100 मीटर आगे बढ़ते ही पुलिस ने बैरिकेड लगाकर मार्च को रोक दिया। इसे लेकर कार्यकताओं और पुलिस के बीच काफी देर तक धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद पुलिस ने वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया।

पीएमएलए के तहत संपत्ति जब्ती पर सुप्रीम कोर्ट सख्तः तय की न्यायिक सदस्य की भूमिका

एजेंसी, नई दिल्ली।

मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में किसी की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ किया है कि संपत्ति अटैच करने की पुष्टि करने वाली प्राधिकरण की पीठ में न्यायिक सदस्य का होना जरूरी है। यानी सिर्फ गैर-न्यायिक सदस्य किसी की संपत्ति जब्त करने के अंतिम फैसले की पुष्टि नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि ऐसे फैसलों का संबंधित व्यक्ति पर गंभीर असर पड़ता है, इसलिए उनमें कानूनी समझ और निष्पक्ष सुनवाई जरूरी है। सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने केंद्र सरकार को 2009 के संशोधन पर फिर से विचार करने और उससे पहले वाली व्यवस्था बहाल करने की सलाह दी है। 55 पन्नों के फैसले में सीजेआई ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम यानी पीएमएलए की धारा 8(2) और 8(3) के तहत संपत्ति जब्ती की पुष्टि करने वाली पीठ में कानून का अनुभव रखने वाला सदस्य शामिल होना चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि गैर-न्यायिक सदस्य धारा 8(1) के तहत कारण बताओ नोटिस जारी कर सकता है, लेकिन उसके बाद की सुनवाई और संपत्ति अटैच करने की पुष्टि का फैसला न्यायिक सदस्य की भागीदारी वाली पीठ ही करेगी।

संपत्ति जब्ती के फैसले में न्यायिक सदस्य क्यों जरूरी है?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संपत्ति अटैच करने की पुष्टि होने पर संबंधित व्यक्ति को आपराधिक मुकदमे का अंतिम फैसला आने से पहले ही लंबे समय तक अपनी संपत्ति के इस्तेमाल और उससे मिलने वाले लाभ से वंचित होना पड़ सकता है। इसलिए इस तरह के फैसले में स्वतंत्र और निष्पक्ष कानूनी विचार जरूरी है। अदालत ने यह भी कहा कि बाद में अपीलीय न्यायाधिकरण या हाईकोर्ट में अपील करने का विकल्प शुरूआती स्तर पर न्यायिक सदस्य की मौजूदगी की जरूरत को खत्म नहीं कर सकता। यानी संपत्ति जब्ती की पुष्टि करते समय ही कानूनी जांच और निष्पक्षता सुनिश्चित होनी चाहिए।

अब तक कितने अंतरिम आदेश जारी किए गए हैं?

पीठ ने बताया कि 31 मार्च 2012 से अब तक संपत्ति अटैच करने के 3,639 अंतरिम आदेश जारी किए जा चुके हैं। मामलों की बढ़ती संख्या और 180 दिनों के भीतर फैसला देने की कानूनी समय-सीमा के कारण प्राधिकरण के सदस्यों पर काम का दबाव बढ़ रहा है।

राहुल पर बरसे शाहः कहा- कुछ लोग संविधान जेब में रखते हैं

एजेंसी, नई दिल्ली।

भाजपा ने आज राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में संविधान गौरव दिवस मनाया। इस आयोजन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के अलावा गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा सांसद बांसुरी समेत कई अन्य नेता भी शामिल हुए। गृह मंत्री शाह ने इस मौके पर संविधान के लिए बलिदान देने वाले सपूतों को नमन करते हुए कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथ लिया। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कुछ लोग संविधान की किताब, जेब में रखते हैं। सरेआम संविधान की किताब लहराते हैं, लेकिन इसे पढ़ना भी जरूरी है।

कई स्वतंत्रता सेनानियों ने हंसते-हंसते अपना सर्वोच्च बलिदान दियाः शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को हमारे देश की एक नई यात्रा शुरू हुई। 1857 से 1947 तक चले 90 वर्षों के लंबे स्वतंत्रता संग्राम में अनगिनत बलिदान हुए। कई स्वतंत्रता सेनानियों ने हंसते-हंसते मां भारती को आजाद कराने के लिए यज्ञ की वेदी



पर अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। कई लोगों ने अपना घर-बार, व्यापार, करियर, पढ़ाई-लिखाई सब कुछ छोड़कर इस महान राष्ट्र को आजाद कराने के लिए अथक प्रयास किए।

2014 में सरकार बनने के बाद संविधान गौरव दिवस मनाने का फैसला कियाः अमित शाह

अमित शाह ने कहा कि 2014 में केंद्र में हमारी सरकार बनने के बाद संविधान गौरव दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। इसका मकसद संविधान की भावना को देश के लोगों तक पहुंचाना था। उन्होंने कहा कि संविधान का सम्मान करना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व की बात है और यह हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है।

गृह मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद संविधान को सिर्फ सरकार चलाने वाली किताब के तौर पर देखने की कोशिश हुई। इसके मूल विचारों और भावना को देश के किशोरों, युवाओं और आम नागरिकों तक पहुंचाने की जरूरत पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 2015 में हर साल 26 नवंबर को संविधान गौरव दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया गया। इसका उद्देश्य संविधान के सर्वोच्च मूल्यों को स्कूलों, कॉलेजों और देश के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाना था।

संविधान नागरिकों को अपनी सरकार चुनने का अधिकार देता हैः अमित शाह

अमित शाह ने कहा कि संविधान देश के नागरिकों को यह अधिकार देता है कि वे तय कर सकें कि उन पर किस तरह शासन किया जाए। वहीं, सत्ता में बैठे लोगों के लिए यह जरूरी करता है कि वे संविधान की निर्धारित सीमाओं के भीतर रहकर सरकार चलाएं।

उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि बीते 80 वर्षों में देश के लोगों ने यह साबित किया है कि भले ही 1949 में संविधान ने हमें लोकतंत्र का ढांचा दिया, लेकिन भारत की सभ्यता में हजारों साल से लोकतांत्रिक मूल्य मौजूद रहे हैं। अब यही मूल्य संविधान के अनुच्छेदों के रूप में सामने आ रहे हैं।'

संविधान का सम्मान केवल किताब दिखाने तक सीमित नहीं होना चाहिएः शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पिछले 80 वर्षों में संविधान, सांविधानिक संस्थाओं, शासन व्यवस्था और लोकतंत्र के प्रति लोगों का भरोसा मजबूत हुआ है। शाह ने कहा, 'संविधान का सम्मान करने के दो तरीके हैं। पहला यह कि जिस तरह हमने संविधान की किताब को पवित्र ग्रंथ की तरह रखकर आपका स्वागत किया, उसी तरह कोई इसे हाथ में उठाकर दिखा सकता है। कोई इसे अपनी जेब में रखकर लहरा सकता है और जनता को दिखा सकता है।' उन्होंने कहा, 'संविधान के सम्मान का दूसरा तरीका यह है कि उसने जो कसौटियां तय की हैं और जो मानक बनाए हैं, उन पर एक व्यक्ति और एक राजनीतिक दल के तौर पर खरा उतरा जाए।'

16 साल से हक का इंतजार, भड़के वीबी-जी राम जी कर्मी; कामकाज ठप

मानदेय विसंगतियों और लंबित मानव संसाधन नीति के विरोध में सौंपा ज्ञापन

- फतेहाबाद ब्लॉक के समस्त कार्मिकों ने किया कार्य बहिष्कार
- समान वेतन वृद्धि, सामाजिक सुरक्षा और चिकित्सा सुविधा की मांग
- 27 नवंबर को सीडीओ आगरा को सौपेंगे ज्ञापन, आंदोलन को तेज करने की चेतावनी



टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

वीबी-जी राम जी कार्मिक कल्याण संगठन (संबद्ध राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, उत्तर प्रदेश) के बैनर तले गुरुवार को विकास खण्ड फतेहाबाद के समस्त कार्मिकों ने खण्ड विकास अधिकारी फतेहाबाद मनीष कुमार वर्मा एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन शासन स्तर पर विगत 16 वर्षों से लंबित मानव संसाधन नीति, विसंगतिपूर्ण मानदेय निर्धारण के विरोध में कार्य बहिष्कार तथा ग्राम रोजगार सेवकों के चल रहे आंदोलन व धरना कार्यक्रम को समर्थन देने के संबंध में दिया गया है। इसी क्रम में 27 नवम्बर को मुख्य विकास अधिकारी आगरा को भी ग्राम रोजगार सेवकों एवं समस्त संवर्ग के कार्मिकों की मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपा जाएगा।ज्ञापन के माध्यम से कार्मिकों ने अवगत कराया कि पिछले 16 वर्षों से उनकी मानव संसाधन नीति, सामाजिक सुरक्षा, चिकित्सकीय सुविधा और स्थानांतरण नीति का निर्धारण नहीं किया गया है। वर्तमान में बढ़ती महंगाई (अक्टूबर 2026 में खुदरा महंगाई दर 6.09% तथा थोक महंगाई दर 12.29%) के दौर में मिल रहा अत्यल्प मानदेय पारिवारिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए अपर्याप्त है। संगठन के पदाधिकारियों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि विभाग द्वारा मानदेय वृद्धि का जो प्रस्ताव भेजा गया है, वह अत्यंत विसंगतिपूर्ण है और कर्मचारियों को कतई स्वीकार्य नहीं है।

कर्मचारियों ने एक समान सम्मानजनक वेतन वृद्धि तथा लंबित मानव संसाधन नीति पर उच्च स्तर से निर्णय होने तक कार्य से विरत रहने की घोषणा की है। इस दौरान अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी सुशील कुमार निगम, ब्लॉक अध्यक्ष प्रमोद कुमार, जिला उपाध्यक्ष विनय रावत, कम्प्यूटर ऑपरेटर संतोष शर्मा, प्रवीन शर्मा, शैलेन्द्र सिंह, राजेन्द्र सिंह, रामनिवास व नरेन्द्र कुमार सहित समस्त ग्राम रोजगार सेवक एवं मनरेगा/वीबी-जी राम जी कार्मिक उपस्थित रहे।



सरस्वती विद्या मंदिर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया संविधान दिवस

टीएनएफ टुडे, आगरा।

26 नवम्बर, वन यूपी बटालियन, आगरा से संबद्ध सरस्वती विद्या मंदिर, कमला नगर, आगरा में एनसीसी कैडेटों के साथ संविधान दिवस गरिमामय ढंग से मनाया गया।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम विद्यालय के प्राचार्य अमित चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए संविधान दिवस के ऐतिहासिक महत्व एवं भारतीय संविधान के निर्माण की जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को संविधान में निहित आदर्शों का पालन करने और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संदेश दिया।

इसके पश्चात मुख्य वक्ता मेजर शंभू पांडे ने भारतीय संविधान के महत्व, उसके मूल सिद्धांतों तथा नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने विद्यार्थियों व एन सी सी कैडिटों को संविधान के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर फर्स्ट ऑफिसर ज्ञानेंद्र तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय संविधान हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है। प्रत्येक नागरिक को संविधान के प्रति सम्मान रखते हुए उसके मूल्यों, समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व की भावना को आत्मसात करना चाहिए।

कार्यक्रम में अरविंद मिश्रा, किशन सारस्वत, नवनीत गोलेच्छा, सुनील चौधरी,भूपेन्द्र राघव,मनोज यादव, अंकित उपाध्याय, सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आगरा कॉलेज के क्रीड़ांगन में मेट्रो के अनधिकृत निर्माण पर बवाल, पूर्व मंत्री के नाम का शिलान्यास पत्थर तोड़ा

- वरिष्ठ प्रोफेसर से अभद्रता का आरोप; कॉलेज प्रशासन ने मेट्रो परियोजना निदेशक को भेजी अंतिम चेतावनी, विधिक कार्रवाई शुरू



टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा कॉलेज के ऐतिहासिक क्रीड़ांगन में मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण कार्य को लेकर गुरुवार को बड़ा विवाद खड़ा हो गया। कॉलेज प्रशासन ने मेट्रो की कार्यदायी संस्था पर अनुमोदित सीमाओं से बाहर जाकर अनधिकृत निर्माण करने, मैदान के भीतर पार्किंग विकसित करने का प्रयास करने और पूर्व मंत्री विजय सिंह राणा द्वारा वर्षों पूर्व स्थापित शिलान्यास पत्थर को तोड़कर गिराने का गंभीर आरोप लगाया है। विरोध करने पर शारीरिक शिक्षा विभाग के एक वरिष्ठ प्रोफेसर के साथ दुर्व्यवहार और गाली-गलौज करने की बात भी सामने आई है।

प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए आगरा कॉलेज के प्राचार्य एवं प्रबंध समिति के सचिव ने गुरुवार को आगरा मेट्रो रेल परियोजना के परियोजना निदेशक को विस्तृत शिकायत पत्र भेजते हुए तत्काल हस्तक्षेप की अंतिम चेतावनी दी है। पत्र की प्रतिलिपि प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को भी भेजी गई है, साथ ही कॉलेज प्रशासन ने विधिक कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

कॉलेज प्रशासन के अनुसार, 18 मई 2022 को मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने क्रीड़ांगन के उपयोग और कार्य पूर्ण होने के बाद उसकी पुनर्स्थापना को लेकर 10 बिंदुओं की लिखित शर्तें स्वीकार की थीं। इसके तहत निर्माण के बाद मैदान को खेलकूद और प्रशिक्षण के लिए पूर्ववत स्थिति में कॉलेज को लौटाया जाना था, लेकिन अब मैदान की उपयोगिता प्रभावित करने वाले निर्माण किए जा रहे हैं। इससे पूर्व 5 अगस्त 2026 को भी प्रबंध समिति की अनुमति और प्राचार्य की आपत्ति के बावजूद प्राचार्य आवास के दक्षिण में कॉलेज की चारदीवारी का एक हिस्सा ध्वस्त कर दिया गया था।

कॉलेज प्रशासन ने भूमि हस्तांतरण, वास्तविक क्षेत्रफल, निर्माण स्थल के सीमांकन, स्वीकृत नक्शे और मुआवजे में गंभीर विसंगतियों का मुद्दा भी उठाया है। प्रशासन का कहना है कि भूमि और उस पर स्थित परिसंपत्तियों का कुल मूल्यांकन 16,27,92,929 रुपये किया गया था, जिस पर कॉलेज की ओर से पहले ही आपत्तियां दर्ज कराई जा चुकी हैं।

कॉलेज प्रशासन ने मांग की है कि क्रीड़ांगन में अनधिकृत निर्माण और पार्किंग का कार्य तत्काल रोका जाए, क्षतिग्रस्त शिलान्यास पत्थर को पूर्व स्वरूप में पुनर्स्थापित किया जाए और संपत्ति को हुए नुकसान की भरपाई की जाए। इसके साथ ही दोषी व्यक्तियों और कार्यदायी संस्था के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए क्रीड़ांगन को पूर्व निर्धारित शर्तों के अनुरूप उसकी मूल स्थिति में वापस सौंपा जाए।

रबी उत्पादकता गोष्ठी व एग्रो क्लाइमेटिक मेला आयोजित, किसानों को मिली उन्नत खेती की जानकारी

टीएनएफ टुडे, आगरा।



कृषि विज्ञान केंद्र, बिचपुरी के प्रांगण में गुरुवार को जनपद स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी (2026-27) एवं एक दिवसीय एग्रो क्लाइमेटिक मेले का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया और किसानों को उन्नत खेती, सरकारी अनुदान योजनाओं, मृदा स्वास्थ्य तथा पशुपालन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं।

कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग की योजनाओं के तहत कृषि यंत्रीकरण, सोलर पम्प और अनुदान पर बीज वितरण के साथ रबी अभियान के लक्ष्यों पर चर्चा हुई। उप कृषि निदेशक (भूमि संरक्षण) नीरज रान कटियार ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत खेत तालाब योजना में 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' के उपयोग पर जोर देते हुए जनपद में 20 खेत तालाब के लक्ष्य को पूरा करने के लिए किसानों को ऑनलाइन पंजीकरण के लिए प्रेरित किया। वहीं, उप कृषि निदेशक (कृषि रक्षा) राजेश कुमार ने फसलों को कीटों से बचाने के लिए रसायनों के संतुलित प्रयोग की जानकारी दी, जबकि जिला खाद्य विपणन अधिकारी नन्द किशोर ने विभिन्न केंद्रों पर बाजरा और मक्का की खरीद से अवगत कराया।

सहायक उद्यान निरीक्षक अनुपम कुमार ने राष्ट्रीय बागवानी मिशन (एमआईडीएच) के तहत निःशुल्क बागवानी बीज तथा राज्य सेक्टर की योजना के अंतर्गत ट्रैक्टर, पावर टिलर और बागवानी ड्रिप इरीगेशन सिस्टम पर 90 प्रतिशत अनुदान की जानकारी साझा की। मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के सहायक निदेशक विकास सेठ ने मिट्टी जांच के आधार पर संतुलित उर्वरक उपयोग करने की सलाह दी। इसके अलावा कृषि विज्ञान केंद्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ. धर्मेंद्र सिंह व सेवानिवृत्त विशेषज्ञ डॉ. राधेश्याम सिंह ने पशुपालन से दैनिक आय, संतुलित आहार, धनैला रोग से बचाव और टीकाकरण पर विचार रखे, जबकि सेवानिवृत्त पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश पाराशर ने कंप्रेस्ड बायोगैस और पशुओं में मुंहपका-खुरपका के उपचार संबंधी जानकारियां दीं।

लोकगायक महावीर सिंह चाहर और उनकी टीम ने लोकगीतों के माध्यम से कार्यक्रम में रंग भरे। इस अवसर पर कृषि यंत्रीकरण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और प्राकृतिक खेती योजनाओं के तहत किसानों को प्रमाण पत्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एडीएम (वित्त एवं राजस्व) संदीप कुमार वर्मा, संयुक्त कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव, उप कृषि निदेशक मुकेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक (सहकारिता) सतीश कुमार, प्रभारी डॉ. आर.पी.एस. चौहान, अपर जिला कृषि अधिकारी गुफरान अहमद, किसान नेता मोहन सिंह चाहर, प्रगतिशील कृषक लाखन सिंह त्यागी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व किसान मौजूद रहे।

उत्कृष्ट गौशालाओं और प्रगतिशील पशुपालकों को मिला सम्मान

- दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और विभागीय योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने के सीडीओ ने दिए निर्देश; पशुओं की बीमारियों व टीकाकरण पर दी गई जानकारी



टीएनएफ टुडे, आगरा।

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर गुरुवार को पशुपालन विभाग द्वारा विकास भवन सभागार में 'प्रशिक्षण एवं प्रसार योजना' के अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार ने दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती के पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपर निदेशक डॉ. देवेंद्र पाल सिंह की अध्यक्षता तथा मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. डी.के. पाण्डेय के संयोजन में यह आयोजन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार ने जनपद में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने पशु चिकित्सा अधिकारियों और पशुधन प्रसार अधिकारियों को विभागीय योजनाओं का लाभ पात्र पशुपालकों तक पहुंचाने तथा पूर्ण निष्ठा से कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. डी.के. पाण्डेय ने पशुपालन विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला एवं डॉ. विपिन ने किया।

प्रशिक्षण सत्र में मास्टर ट्रेनर डॉ. विकास सचान (बमरौली कटारा), डॉ. भुवनेश सिंह (पशु चिकित्सा अधिकारी, बरौली अहीर) तथा डॉ. अंकित (पशु चिकित्सा अधिकारी, सैंया) ने नेपियर रूट की बुवाई, जूनोटिक बीमारियों, वन हेल्थ प्रोग्राम और पशुओं की प्रमुख बीमारियों के लक्षण, रोकथाम एवं टीकाकरण पर व्याख्यान दिए।

समारोह में जनपद की पांच उत्कृष्ट गौशालाओं के प्रधानों व संचालकों के साथ-साथ उच्च दुग्ध उत्पादक क्षमता वाले पांच प्रगतिशील पशुपालकों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में जनपद के समस्त उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी, पशुधन प्रसार अधिकारी और पैरा वेट कर्मी शामिल रहे। अंत में डॉ. डी.के. पाण्डेय ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

सूर-पीठ की तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 'सूर साहित्यः शोध-दृष्टि एवं नवाचार' 28 नवंबर से

सूर-पीठ और भाषाविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में होगा आयोजन, शोध और नवाचार के नए आयामों पर होगा मंथन

टीएनएफ टुडे, आगरा।



विश्वविद्यालय के कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ (केएमआई) स्थित सूर-पीठ एवं भाषाविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 28, 29 एवं 30 नवंबर 2026 को तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। 'सूर साहित्यः शोध-दृष्टि एवं नवाचार' विषय पर केंद्रित इस कार्यशाला के माध्यम से सूर साहित्य के अध्ययन को नई शोध दृष्टि और आधुनिक नवाचारों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

भाषाविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष एवं सूर-पीठ की समन्वयक डॉ. नीलम यादव ने बताया कि यह तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला विद्यार्थियों, शोधार्थियों और साहित्य प्रेमियों के लिए ज्ञान व विमर्श का महत्वपूर्ण मंच सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि सूर साहित्य की समृद्ध परंपरा को समकालीन शोध प्रविधियों और नवीन दृष्टिकोणों के साथ परखना आज के समय की आवश्यकता है, जिससे इस विरासत को और अधिक गहराई व व्यापकता के साथ समझा जा सके।

विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष (1927ङ्क2027) के उपलक्ष्य में हो रहे इस आयोजन को लेकर विद्यापीठ और विभाग स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। तीन दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला में विषय से जुड़े विविध अकादमिक सत्रों के जरिए सूर साहित्य की शोध संभावनाओं और नवाचारों पर विचार-विमर्श होगा।

डॉ. नीलम यादव ने अधिक से अधिक शोधार्थियों, विद्यार्थियों और विद्वानों से कार्यशाला में सहभागिता कर इस अकादमिक आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया है।

संविधान दिवस पर जनपद में 'डॉ. बी.आर. अंबेडकर मूर्ति विकास योजना' का शुभारं

टीएनएफ टुडे, आगरा।



संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को जनपद में 'डॉ. बी.आर. अंबेडकर मूर्ति विकास योजना' का विधिवत शुभारंभ किया गया। भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों, आदर्शों और सामाजिक न्याय के प्रति उनके योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना के तहत चिन्हित पार्कों व सामुदायिक स्थलों पर बाबा साहेब एवं महापुरुषों की प्रतिमाओं का नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है।

इस अवसर पर लोक भवन, लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का जनपद के सभी चयनित स्थलों पर सजीव प्रसारण देखा व सुना गया। जिलाधिकारी द्वारा नामित अधिकारियों व कर्मचारियों की देखरेख में जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न स्थानों पर शिलान्यास एवं भूमि पूजन किया।

विकासखंड बाह की ग्राम पंचायत बिजौली में 9.99 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित डॉ. आंबेडकर प्रतिमा के सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास बाह विधायक रानी पक्षालिका सिंह ने किया। जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का जीवन समानता, शिक्षा, सामाजिक न्याय और अधिकारों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देता है तथा उनके आदर्शों को आत्मसात करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।

इसी क्रम में विधायक डॉ. जी.एस. धर्मेश ने नगला भरती में, खैरागढ़ विधायक भगवान सिंह कुशवाहा ने ग्राम पंचायत शाहपुर नदीम में तथा कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य के प्रतिनिधि अभिनव मौर्य ने आगरा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम विलासगंज में बाबा साहेब की प्रतिमा के सौंदर्यीकरण कार्य का शुभारंभ किया। कार्यक्रमों के दौरान उपस्थित लोगों को संविधान की शपथ भी दिलाई गई।

मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज ससंघ का श्री सर्वतोभद्र जिनालय बलकेश्वर में भव्य मंगल प्रवेश,



आगरा। न्यू आदर्श नगर, बल्केश्वर स्थित श्री सर्वतोभद्र जिनालय में गुरुवार को मुनिश्री समत्व सागर जी महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ।मुनिसंघ का विहार प्रातः श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, डी-ब्लॉक, कमला नगर से प्रारंभ हुआ। मार्ग में श्रद्धालुओं ने जयकारों और भक्तिमय वातावरण के बीच मुनि श्री की अगवानी की।प्रातः 7:30 बजे मुनि संघ के श्री सर्वतोभद्र जिनालय पहुंचने पर जैन समाज के श्रद्धालुओं ने भव्य मंगल अगवानी करते हुए उनका पाद प्रक्षालन एवं मंगल स्वागत किया।इस दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय जयकारों से गुंजायमान हो उठा।इसके उपरांत पुण्यार्जक पंकज जैन, सुरेश पांड्या,मनोज छांट,राजेंद्र वकील एवं राजेंद्र कपड़ा द्वारा श्रीजी की शांतिधारा की गई।इसके बाद आयोजित प्रवचन सभा का शुभारंभ वीरेंद्र जैन शास्त्री ने मंगलाचरण के साथ किया।वहीं आहारचर्या का सौभाग्य राजीव जैन,रजत जैन एवं मुकेश जैन कैंटीन को प्राप्त हुआ।मंगल प्रवचन सभा में मुनिश्री ने भक्तों को को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के जीवन के साथ- साथ उसके परिवार को भी प्रभावित करता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को इससे दूर रहना चाहिए। साथ ही उन्होंने होटल के भोजन एवं बाहर के खानपान से परहेज करने की सलाह देते हुए घर के शुद्ध एवं सात्विक भोजन को अपनाने पर जोर दिया। मुनि श्री ने कहा कि व्यक्ति को अपने खानपान और दिनचर्या में संयम रखते हुए धर्ममय जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए।इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने मुनिश्री के प्रवचन सुनकर धर्मलाभ प्राप्त किया और उनका मंगल आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में जैन समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति,ट्रस्ट पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि 27 नवंबर को श्री सर्वतोभद्र जिनालय में मुनिश्री समत्वसागर जी महाराज ससंघ के मंगल सान्निध्य में नवग्रह विधान का आयोजन किया जाएगा। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित होकर धर्मलाभ प्राप्त करेंगे।

जनपद के 200 विद्यालयों के 20,000 विद्यार्थी सीखेंगे आपदा से बचाव के गुर

टीएनएफ टुडे, आगरा।



जनपद के 200 विद्यालयों में अध्ययनरत लगभग 20,000 छात्र-छात्राओं को आपदा से बचाव एवं सुरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से गुरुवार को विकास भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार की अध्यक्षता तथा अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संदीप कुमार वर्मा की उपस्थिति में हुई इस बैठक में 'मुख्यमंत्री स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम-फेज-3' के सफल क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार की गई।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि आपदा प्रबंधन के प्रति बच्चों को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में वे स्वयं और दूसरों की सुरक्षा कर सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि चयनित 200 स्कूलों में प्रशिक्षण कार्यक्रम समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से संचालित किया जाए।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संदीप कुमार वर्मा ने कार्यक्रम की कार्ययोजना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस अभियान के तहत विद्यार्थियों को भूकंप, अग्निकांड, बाढ़ सहित अन्य प्राकृतिक व मानवजनित आपदाओं के समय प्राथमिक उपचार और बचाव के व्यावहारिक तरीके सिखाए जाएंगे।

बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस), जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) सहित आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए विद्यालयों की सूची को अंतिम रूप देने और प्रशिक्षकों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

संविधान के संकल्प से गूंजा आगरा

छात्राओं ने लिया लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प

- जनपद न्यायाधीश संजय कुमार मलिक ने छात्राओं को दिलाई संविधान की प्रस्तावना की शपथ।
- न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के मूल्यों के प्रति किया जागरूक।
- प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को मिले पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र।

टीएनएफ टुडे, आगरा।



संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को क्वीन विक्टोरिया गर्ल्स इंटर कॉलेज में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में ह्यएक स्वर, एक संविधानह्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई और उन्हें लोकतांत्रिक मूल्यों, मौलिक अधिकारों एवं नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह नौ बजे मुख्य अतिथि जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष संजय कुमार मलिक ने संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाकर किया। इस दौरान विद्यालय की छात्राओं ने संविधान की महत्ता, संवैधानिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शारिब अली और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव पंकज कुमार-क सहित अन्य न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। अपर पुलिस उपायुक्त अलका, जिला विद्यालय निरीक्षक प्रथम रवीन्द्र पाल सिंह तोमर और जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय विरेंद्र प्रताप सिंह ने भी सहभागिता की।

अतिथियों ने छात्राओं को संविधान निर्माण की प्रक्रिया, उसके मूल आदर्शों, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी दी। उन्होंने न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता जैसे संवैधानिक मूल्यों को जीवन में अपनाने तथा जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम के आयोजन में विद्यालय की प्रधानाचार्या बीना नैयर साइलस और शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा।

स्वीकृत ऋणों का भुगतान लटकाने पर डीएम ने एसबीआई शाखा को लगाई फटकार

टीएनएफ टुडे, आगरा।



- जिला परामर्शदात्री व समीक्षा समिति की बैठक में योजनाओं की समीक्षा; स्वरोजगार व शैक्षिक ऋण आवेदन अनावश्यक लंबित न रखने के सख्त निर्देश

जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीसीसी/डीएलआरसी) की सितंबर तिमाही की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सर्वप्रथम पिछली बैठक के कार्यवृत्त की जानकारी दी गई, जिसके बाद जिलाधिकारी ने बैंकिंग एवं जनकल्याणकारी स्वरोजगार योजनाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने सभी बैंकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से ऋण उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी आवेदन को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए।

ऋण-जमा अनुपात (सीडी रेशियो) की समीक्षा में सामने आया कि सितंबर तिमाही में जनपद का सीडी रेशियो 72.63 प्रतिशत रहा। इसमें 14 बैंकों का अनुपात भारतीय रिजर्व बैंक के निर्धारित 60 प्रतिशत मानक से अधिक पाया गया, जबकि 14 बैंकों का प्रदर्शन मानक से कम रहा। जिलाधिकारी ने कम सीडी रेशियो वाले बैंकों से जवाब तलब करते हुए ऋण वितरण में सुधार लाने और निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं, शैक्षिक ऋण की समीक्षा में बताया गया कि बैंकों द्वारा 6290.40 लाख रुपये के कुल 792 ऋण स्वीकृत किए गए और 5325.15 लाख रुपये के 2067 ऋण वितरित किए गए। शैक्षिक ऋण में केनरा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक की प्रगति श्रेष्ठ रही, जबकि अन्य बैंकों को भी पात्र विद्यार्थियों को प्राथमिकता पर लाभान्वित करने को कहा गया।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत सितंबर माह में जनपद के लक्ष्य के सापेक्ष 137 प्रस्ताव स्वीकृत किए गए। जिलाधिकारी ने जीएम डीआईसी से प्राप्त आवेदनों के सापेक्ष स्वीकृत प्रकरणों की जानकारी ली। समीक्षा के दौरान ऋण आवेदन स्वीकृत किए जाने के बावजूद भुगतान लंबित रखने पर जिलाधिकारी ने एसबीआई की फतेहाबाद शाखा को कड़ी फटकार लगाई और तत्काल भुगतान जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही इंडियन ओवरसीज बैंक की धनौली शाखा द्वारा ऋण स्वीकृत न किए जाने की शिकायत पर भी आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

बैठक में अन्य प्रमुख योजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) वित्तीय सहायता योजना में सितंबर माह में 99 प्रस्ताव तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना में 100 प्रस्ताव स्वीकृत हुए, जिनमें केनरा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक और भारतीय स्टेट बैंक की प्रगति श्रेष्ठ रही। वित्तीय वर्ष 2026-27 में सितंबर तिमाही तक मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के 10 तथा मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के 24 प्रस्ताव बैंकों को भेजे गए, जिनके प्राथमिकता पर निस्तारण और व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की समीक्षा में बताया गया कि जून तिमाही तक कुल 107361.15 लाख रुपये के 99,685 ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें केनरा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक, इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और रत्नाकर बैंक अग्रणी रहे। योजना की शिशु श्रेणी में बेहतर प्रगति पाई गई, जबकि तरुण श्रेणी में अपेक्षित वृद्धि न होने पर जिलाधिकारी ने बैंकों को तरुण श्रेणी में भी प्रदर्शन सुधारने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के पात्र आवेदनों के निस्तारण व समयबद्ध नवीनीकरण, क्रेडिट प्लस गतिविधियों, वित्तीय समावेशन, जिला क्रेडिट योजना (डीसीपी), वार्षिक क्रेडिट योजना (एसीपी), दीनदयाल अंत्योदय योजना, पीएम सूर्यघर योजना तथा पीएमएफएमई योजना (जिसमें लक्ष्य के सापेक्ष 155 आवेदन स्वीकृत हुए) की प्रगति तेज करने व वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक, विभिन्न विभागों के अधिकारी और समस्त बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संविधान की शपथ लेकर युवाओं ने भरी राष्ट्र निर्माण की हुंकार

सांसद राजकुमार चाहर ने मेधावियों को किया सम्मानित

टीएनएफ टुडे, शमशाबाद।



- एनडी पीजी कॉलेज में संविधान गौरव दिवस पर हुआ आयोजन
- युवाओं को संविधान के अधिकारों और कर्तव्यों का दिलाया संकल्प
- शिक्षा और खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाएं सम्मानित

संविधान गौरव दिवस के अवसर पर गुरुवार को शमशाबाद स्थित एनडी पीजी कॉलेज में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में फतेहपुर सीकरी के सांसद राजकुमार चाहर ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। उन्होंने युवाओं को भारतीय संविधान के मूल्यों, आदर्शों और महत्व की जानकारी देते हुए संविधान की शपथ दिलाई। इस दौरान शिक्षा, खेलकूद एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधावी प्रतिभाओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

सांसद राजकुमार चाहर ने कहा कि भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नेतृत्व में संविधान सभा के सदस्यों द्वारा निर्मित भारतीय संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, न्याय, समानता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों का आधार स्तंभ है। संविधान केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक है।

इसकी गरिमा और मूल भावना को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे संविधान में निहित अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। सभी को मिलकर सशक्त, समरस और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक जितेंद्र वर्मा, कार्यक्रम संयोजक लाल सिंह राघव, ऋषि उपाध्याय, सोनू शर्मा, शैलू जादौन, नितिन वर्मा, रंजीत प्रधान, मंडल अध्यक्ष योगेश बघेल, मुकेश पचौरी, उमेश गुप्ता, वीरेंद्र सिंह सहित कॉलेज के शिक्षकगण और बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

रुई की मंडी में महर्षि वाल्मीकि प्रतिमा स्थल के कायाकल्प का शिलान्यास

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने वर्चुअल माध्यम से रखी आधारशिला; सुरक्षा छतरी, बाउंड्री वॉल व प्रकाश व्यवस्था से संवरेगा परिसर

टीएनएफ टुडे, आगरा।



संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को उत्तर प्रदेश सरकार की 'डॉ. बी.आर. आंबेडकर मूर्ति विकास योजना' के तहत आगरा दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण और जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास किया गया। रुई की मंडी तहसील रोड पर प्राचीन वाल्मीकि मंदिर रेलवे पुल के पास और कंपोजिट स्कूल के सामने स्थित महर्षि वाल्मीकि प्रतिमा स्थल के कायाकल्प की आधारशिला उच्च शिक्षा मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक योगेंद्र उपाध्याय ने वर्चुअल माध्यम से जुड़ीं।

लाइव संबोधन में योगेंद्र उपाध्याय ने संविधान दिवस की बधाई देते हुए कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के अग्रदूत थे तथा उनके विचार समतामूलक समाज की नींव हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महापुरुषों की विरासत और प्रतिमा स्थलों को भव्य व सम्मानजनक स्वरूप देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस स्थल के संवरने से क्षेत्रवासियों को स्वच्छ और प्रेरणादायी वातावरण मिलेगा तथा निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ तय समय में पूरे किए जाएंगे।

प्रमुख प्रस्तावित कार्य

* प्रतिमा के ऊपर भव्य सुरक्षा छतरी (कैनोपी) और चारों ओर मजबूत बाउंड्री वॉल व रेलिंग का निर्माण।

* परिसर में आकर्षक फिनिशिंग, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था और हरियाली (लैण्डस्केपिंग) का विकास, ताकि रात में भी स्थल की भव्यता बनी रहे।

* आमजन के बैठने और माल्यार्पण के लिए स्वच्छ व सुव्यवस्थित व्यवस्था।

कार्यक्रम में डॉ. आलोकिक उपाध्याय, मंडल अध्यक्ष धीरज कोहली, रामचरन, महानगर उपाध्यक्ष अनीता खरे, गुलशन दयाल, ओम प्रताप सिंह, मोहन बाबू, राधा रानी, सुनील करमचंदानी, सुमन, संजय दयाल, दयाराम प्रजापति, साहिल, बबीता दयाल, अमन, रतनलाल, डॉ. राजकुमार, अमर दास, माता प्रसाद, गौरव सारस्वत, संदीप वर्मा, प्रशांत बाल्मिक, रामेंद्र, रमाशंकर त्यागी, राजा बाबू, अनिल, रतन, चरण सिंह, राजकुमार सागर और राजन किरन सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे।

बकरा चुराकर भागे बदमाश

मालिक पर चढ़ाई कार, बाल-बाल बची जान!

- आधी रात बाड़े में घुसे कार सवार बदमाश, बकरा लेकर हुए फरार
- विरोध करने पर यूनुस खान को कुचलने की कोशिश, लाठी से तोड़ा कार का शीशा
- मौके पर मिला कार का टूटा शीशा, पुलिस ने शुरू की जांच

टीएनएफ टुडे, एत्मादपुर।



थाना क्षेत्र के गांव चावली में बीती रात कार सवार अज्ञात चोरों ने एक बाड़े से बकरा चोरी कर लिया। वारदात के दौरान बकरा मालिक की नींद खुल गई, जिसके बाद बदमाशों ने उन पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया।

पीड़ित बकरा मालिक यूनुस खान ने बताया कि रात करीब ढाई से तीन बजे के बीच अज्ञात चोर फोर व्हीलर कार से उनके बाड़े पर पहुंचे और बकरा चुरा लिया। आहट होने पर जब यूनुस जागे और चोरों को रोकने की कोशिश की, तो उनकी बदमाशों से कहासुनी हुई।

यूनुस के अनुसार, बदमाशों ने उन पर कार चढ़ाने की कोशिश की। खुद को बचाने के लिए उन्होंने लाठी चलाई, जिससे बदमाशों की कार का शीशा कबर टूटकर मौके पर ही गिर गया, जिसे पुलिस के लिए सबूत के तौर पर सुरक्षित रख लिया गया है। इसके बाद आरोपी बकरा लेकर फरार हो गए। पीड़ित ने डायल 112 पर पुलिस को घटना की सूचना दे दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यूनुस ने बताया ऐसी घटनाएं साल में दो-तीन बार हो जाती हैं लेकिन चोरों का पता नहीं चलता पुलिस इस मामले को संज्ञान में ले और चोरों को पड़कर तत्काल कठोर से कठोर कार्रवाई करें। क्षेत्रीय पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

ताजनगरी में बिखरेगी साहित्य की खुशबू, दस दिवसीय पुस्तक मेले का होगा आयोजन

- आगरा कॉलेज में सजेगा साहित्य, संस्कृति और बाल प्रतिभाओं का मेला
- साहित्यकारों और पाठकों का मिलन बनेगा आगरा पुस्तक मेला
- प्रोग्रेसिव एसोसिएशन ऑफ पेरेंट्स अवेयरनेस (पापा संस्था) के बैनर तले दस दिवसीय होगा आयोजन

टीएनएफ टुडे, आगरा।



टीएनएफ टुडे, आगरा।

प्रोग्रेसिव एसोसिएशन ऑफ पेरेंट्स अवेयरनेस (पापा संस्था) और फोर्सवन बुक्स के संयुक्त तत्वावधान में डिजिटल युग में पुस्तकों के प्रति रुचि को प्रोत्साहित करने और नई पीढ़ी को साहित्य, कला एवं संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से आगरा कॉलेज परिसर में दस दिवसीय आगरा पुस्तक मेला आयोजित किया जाएगा। वाटर वर्क्स स्थित अतिथिवन में आयोजन समिति ने कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन कर विस्तृत जानकारी दी।

राष्ट्रीय संयोजक दीपक सिंह सरीन ने बताया कि 4 से 13 दिसंबर 2026 तक लगने वाले पुस्तक मेले में देश के विभिन्न शहरों से प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता, साहित्यकार, कलाकार, शिक्षाविद और सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाएं भाग लेंगी। मेले में साहित्य, इतिहास, धर्म, दर्शन, अध्यात्म, विज्ञान, बाल साहित्य, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा विभिन्न विषयों की पुस्तकें उपलब्ध होंगी. पाठकों को अलग-अलग प्रकाशकों की पुस्तकों को एक ही स्थान पर देखने और खरीदने का अवसर मिलेगा । पुस्तक मेले का उद्देश्य ज्ञान के प्रकाश को जन-जन तक पहुंचाना और विशेष रूप से युवाओं तथा बच्चों को पुस्तक संस्कृति से जोड़ना है ।

फोर्सवन बुक्स संयोजक मनोज सिंह चंदेल ने बताया कि आगरा पुस्तक मेले को केवल पुस्तकों की प्रदर्शनी तक सीमित नहीं रखा गया है. दस दिनों तक प्रतिदिन तीन सत्रों में लगभग 30 साहित्यिक, शैक्षिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तावित हैं । प्रतिदिन विद्यालयों के बच्चों की प्रतिभाओं, साहित्यिक परिचर्चा, पुस्तक विमोचन, कहानी, व्यंग्य पाठ, गोष्ठियां, लेखक संवाद तथा विभिन्न बौद्धिक गतिविधियां आयोजित होंगी।

अप्सा के सचिव गिरधर शर्मा ने कहा कि किसी शहर की पहचान केवल उसकी ऐतिहासिक धरोहरों से नहीं, बल्कि वहां की जीवंत साहित्यिक और सांस्कृतिक परंपराओं से भी बनती है। मुख्य आकर्षण के रूप में युवा संवाद कार्यक्रम में बाल लेखक साहित्य की पुस्तकों के साथ उपस्थित होकर लेखन के अनुभव साझा करेंगे । पुस्तक मेला प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक खुला रहेगा और प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क होगा । इस अवसर पर डॉ. विनोद माहेश्वरी, सुरभि कपूर, बंटी ग्रोवर, विभोर कुमार, विकास कक्कड़, राजेंद्र खन्ना, रूचि वर्मा आदि मौजूद रहे।

खेत के विवाद में दो पक्षों में मारपीट, महिला घायल

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव सिलावली में गुरुवार सुबह करीब 7:30 बजे खेत के विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। मारपीट में एक महिला घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को मेडिकल परीक्षण के लिए फतेहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा।

जानकारी के अनुसार गांव सिलावली निवासी तोताराम का आरोप है कि गांव के ही युवक पर उसका दो बीघा खेत गिरवी रखा हुआ था। गुरुवार सुबह दूसरे पक्ष के लोग उसके दूसरे खेत को जोतने के लिए पहुंच गए। इसका तोताराम ने विरोध किया तो दोनों पक्षों में विवाद हो गया। आरोप है कि इस दौरान दूसरे पक्ष के लोगों ने सक्को देवी पत्नी तोताराम के साथ मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गईं। घटना के बाद तोताराम ने थाना फतेहाबाद पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने घायल महिला को मेडिकल परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आज सजेगा परिवहन मेला, बकाया पेनाल्टी में 70% तक छूट

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- टैक्स, फिटनेस, परमिट और वाहन पंजीकरण के लिए लगेंगे अलग-अलग काउंटर
- ईओएल और टीटीजेड नियमों की मिलेगी जानकारी, फेसलेस सेवाओं के प्रति करेंगे जागरूक

संभागीय परिवहन कार्यालय, आगरा में कल दिनांक 27 नवंबर 2026 (शुक्रवार) को 'परिवहन मेला' का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में नागरिकों एवं वाहन स्वामियों की सुविधा हेतु विभिन्न विषयों पर अलग-अलग काउंटर लगाए जाएंगे, जहां परिवहन विभाग के अधिकारी प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित रहकर आमजन की समस्याओं को सुनेंगे और उनका त्वरित समाधान करेंगे।

मेले का मुख्य आकर्षण पेनाल्टी माफी योजना रहेगी, जिसके अंतर्गत उपस्थित आवेदकों को बकाया पेनाल्टी में 70% तक की छूट प्रदान की जाएगी तथा वाहनों के बकाया कर (टैक्स) को जमा कराने की कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा मेले में वाहनों के पंजीकरण, फिटनेस संबंधी कार्यों, परमिट प्रकरणों तथा स्क्रैप वाहन के सापेक्ष नए वाहन के पंजीयन से जुड़ी जानकारी एवं त्वरित सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

मेले में ई.ओ.एल. (एल्लार्ड्ड्ढा छी) आयु सीमा पूर्ण कर चुके वाहनों एवं टी.टी.जेड. (ताज ट्रेपेजियम जोन) के आदेशों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाई जाएगी। साथ ही आमजन को विभाग की ऑनलाइन फेसलेस योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी तथा कार्यालय आने के बजाय घर बैठे फेसलेस माध्यम से कार्य कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन), आगरा श्री विनय कुमार सिंह ने समस्त जन-सामान्य तथा परिवहन व्यवसायियों से अपील की है कि वे इस परिवहन मेले में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग कर विभागीय योजनाओं व छूट का लाभ उठाएं।

उन्होंने बताया कि इसके पश्चात आगामी परिवहन मेले का आयोजन 26 दिसंबर 2026 (शनिवार) को किया जाएगा।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

कमल के फूल की सामूहिक पहचान और सत्ता की धुरी के बीच सियासी संकेत

उत्तर प्रदेश की सियासत में इन दिनों बयानों और पलटवारों की ऐसी बिसात बिछी है जहां हर शब्द के पीछे छिपे सियासी अर्थ को समझने के लिए सत्ता के गलियारों से लेकर संगठन के भीतर तक गहरी हलचल दिखाई देती है। केशव प्रसाद मौर्य का यह बयान कि पार्टी में कमल का फूल ही सबकुछ है और कोई व्यक्ति या पद उससे बड़ा नहीं हो सकता, एक तरफ संगठनात्मक निष्ठा का संदेश देता है तो दूसरी तरफ सत्ता के केंद्र को लेकर चल रही चचाओं को भी हवा देता है। जब इस बयान के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का तीखा और नपा-तुला पलटवार सामने आता है तो यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रदेश की राजनीति में अनुशासन, नेतृत्व और सामूहिकता को लेकर हर पक्ष अपनी-अपनी लकीर खींच रहा है। राजनीति के जानकारों के बीच इस पूरे घटनाक्रम को केवल शब्दों की नोकझोंक नहीं बल्कि बदलते शक्ति संतुलन और आगामी चुनौतियों से पहले भीतरखाने चल रही खींचतान के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी दल के भीतर विचार विमर्श और वैचारिक स्पष्टता होना स्वाभाविक है लेकिन जब बयानबाजी सार्वजनिक मंचों पर खुलकर सामने आने लगे तो कार्यकताओं और आम जनता के बीच तरह-तरह के कयास जन्म लेने लगते हैं। प्रदेश की जनता यह बखूबी समझती है कि चुनाव चिह्न की सामूहिक ताकत और मजबूत नेतृत्व की कार्यशैली दोनों ही किसी राजनीतिक दल की सफलता के दो मजबूत पहिए होते हैं। यदि भीतर की आवाजें और सियासी संदेश संतुलित तथा मर्यादित न रहें तो विरोधी दलों को बिना मेहनत किए ही बैठे-ठाले सियासी मुद्दा मिल जाता है और शासन की प्राथमिकताओं पर भी सवाल उठने लगते हैं। उत्तर प्रदेश की राजनीति में उठते इन तीखे स्वरों का असली परिणाम इसी बात से तय होगा कि संगठन और सत्ता के बीच तालमेल की डोर कितनी मजबूत रहती है और जनता के भरोसे को प्राथमिकता दी जाती है या सियासी बयानबाजी को।

गरीब रथ से बुलेट ट्रेन तक: क्या मोदी की रेल क्रांति में आम आदमी पीछे छूट गया?

बृज खंडेलवाल



कभी एक रेल मंत्री ने सवाल उठाया था। आखिर एसी ट्रेन में सफर करना अमीरों का ही हक क्यों हो? दूसरे मंत्री ने बेरोजगार नौजवानों के सस्ते सफर की फिक्र की। किसी ने सेकंड क्लास के मुसाफिरों की बदहाली पर ध्यान दिया। आज सपना है 300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ती बुलेट ट्रेन का। लेकिन एक सवाल है। जिन लोगों को साधारण ट्रेन में बैठने की जगह तक नहीं मिलती, उनका क्या होगा?

भारतीय रेलवे की दो तस्वीरें सामने हैं। एक तरफ चमचमाती वंदे भारत है। आरामदायक सीटें, शानदार इंटीरियर और आधुनिक सुविधाएं हैं। दूसरी तरफ जनरल डिब्बों में ठुंसे हुए लाखों मुसाफिर हैं। कोई दरवाजे पर लटका है, कोई फर्श पर बैठा है। त्योहारों पर घर पहुंचने के लिए धक्के खा रहा है।

दोनों इसी देश के नागरिक हैं। दोनों देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं। फिर उनकी रेल यात्रा में इतना फर्क क्यों?

कभी भारतीय रेलवे को आम आदमी की जीवनरेखा कहा जाता था। रेल मंत्रियों की पहचान इस बात से बनती थी कि उन्होंने गांवों और कस्बों को कितनी अच्छी रेल सुविधा दी। सस्ता किराया, बेहतर डिब्बे और ज्यादा ट्रेनें राजनीति के अहम मुद्दे थे।

आइए, पुराने रेल मंत्रियों का हिसाब-किताब देखें। उनके तरीके अलग थे, लेकिन कई फैसलों में एक बात समान थी। रेलवे का पहला हक आम मुसाफिर का है।

मधु दंडवते 1977 से 1979 तक रेल मंत्री रहे। उनकी सोच में आम मुसाफिर सबसे ऊपर था। वे रेल कर्मचारियों, यात्री संगठनों और अर्थशास्त्रियों से सलाह लेते थे।

1977-78 के रेल बजट में उन्होंने यात्री किराये और मालभाड़े में बढ़ोतरी नहीं की। सेकंड क्लास के मुसाफिरों की सुविधाएं सुधारने पर भी जोर दिया।

उनका सीधा उसूल था। रेलवे का विकास सबसे पहले उन लोगों के लिए होना चाहिए, जिन्हें सार्वजनिक परिवहन की सबसे ज्यादा जरूरत है।

जनता एक्सप्रेस की परंपरा भी इसी सोच का हिस्सा थी। लंबी दूरी के सफर को आम लोगों की पहुंच में रखना जरूरी था।

जॉर्ज फर्नांडिस ने 1989-90 में कुछ समय के लिए रेलवे की जिम्मेदारी संभाली। उस दौर में राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियां थीं। फिर भी रेल संपर्क और सार्वजनिक सेवा महत्वपूर्ण मुद्दे बने रहे।

इसके बाद आए लालू प्रसाद यादव। 2004 से 2009 तक रेल मंत्री रहते हुए उन्होंने एक ऐसी योजना शुरू की, जिसने खूब चर्चा बटोरी। नाम था गरीब रथ!

सवाल उठाया गया कि गरीब आदमी आराम से सफर क्यों नहीं कर सकता? एसी का मजा सिर्फ मोटी जेब वालों के लिए क्यों रहे?

अक्टूबर 2006 में शुरू हुई गरीब रथ ट्रेन ने एसी थ्री टियर का सफर सस्ता बनाया। इसका किराया सामान्य एसी थ्री टियर से करीब 25 फीसदी कम रखा गया। ज्यादा यात्रियों की क्षमता से लागत घटाने की कोशिश हुई।

योजना में कमियां थीं, लेकिन उसका पैगाम बड़ा था। गरीब परिवार भी इज्जत और आराम से सफर कर सकते हैं। उन्हें सस्ती यात्रा और बुनियादी सुविधा में से एक चुनने को मजबूर नहीं होना चाहिए।

2009 से 2011 तक रेल मंत्री रहीं ममता बनर्जी ने एक और पहल की। उन्होंने बेरोजगार नौजवानों और कम आमदनी वाले यात्रियों की जरूरतों पर ध्यान दिया।

युवा एक्सप्रेस इसी सोच से शुरू की गई। 1500 किलोमीटर तक के सफर का किराया 299 रुपये और 2500 किलोमीटर तक का किराया 399 रुपये रखा गया।

उन्होंने दुरंतो एक्सप्रेस भी शुरू कीं। इनका मकसद लंबी दूरी की तेज यात्रा था। उनकी हर योजना गरीबों के लिए नहीं थी, लेकिन नौजवानों के सस्ते सफर को जगह मिली। इनमें से कोई भी रेल मंत्री दूध का धुला नहीं था। उनकी योजनाओं में भी कमियां थीं। कई वादे पूरे नहीं हुए। लेकिन आम मुसाफिर उनकी राजनीतिक सोच का हिस्सा जरूर था। नरेंद्र मोदी के दौर में रेलवे के विकास की कहानी का चेहरा बदल गया है।

वंदे भारत भारतीय रेलवे की पहचान बन गई है। चमचमाते डिब्बे, आधुनिक इंटीरियर, तेज रफ्तार और शानदार प्रचार। हर नई ट्रेन के साथ बड़ी-बड़ी घोषणाएं होती हैं।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना तकनीक की नई छलांग का सपना दिखाती है। मेट्रो नेटवर्क फैल रहे हैं। रेलवे स्टेशनों का महंगा कायाकल्प हो रहा है। प्रीमियम सेवाओं पर खास ध्यान दिया जा रहा है।

फरवरी 2026 में रेल मंत्रालय के जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में 164 वंदे भारत चेयर कार सेवाएं, दो वंदे भारत स्लीपर सेवाएं, 54 अमृत भारत सेवाएं और चार नमो भारत रैपिड रेल सेवाएं थीं।

इन उपलब्धियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत को आधुनिक तकनीक, तेज ट्रेनें और बेहतर बुनियादी ढांचा चाहिए। आखिर कोई भी रेलवे को पुराने जमाने में कैद नहीं रखना चाहता।

लेकिन सवाल यह है कि आधुनिकता की इस दौड़ में आम आदमी कहां खड़ा है?

सामाजिक कार्यकर्ता विशाल झा का कहना है कि आधुनिकीकरण के नाम पर साधारण मुसाफिरों की जरूरतों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

बुलेट ट्रेन अभी निमार्णाधीन है, लेकिन राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा का बड़ा प्रतीक बन चुकी है। वंदे भारत का उद्घाटन हो तो सुर्खियां बनती हैं। भाषण होते हैं। तस्वीरें खिंचती हैं। सुंदर स्टेशनों का उद्घाटन भी बड़ा आयोजन बन जाता है।

लेकिन जनरल डिब्बे बढ़ाने का जश्न कौन मनाता है? साफ सार्वजनिक शौचालय का उद्घाटन कौन करता है? गरीब मजदूर को कन्फर्म टिकट मिल जाए तो उसका श्रेय कौन लेता है?

समस्या प्रीमियम ट्रेनों से नहीं है। समस्या प्राथमिकताओं के असंतुलन से है। चमक-दमक को ज्यादा तवज्जो मिल रही है, जबकि बुनियादी जरूरतें पीछे छूटती दिख रही हैं।

लाखों लोग आज भी जनरल और स्लीपर डिब्बों पर निर्भर हैं। बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से मजदूर दिल्ली, मुंबई और दूसरे औद्योगिक शहरों में जाते हैं। छात्र अपने घर लौटते हैं। छोटे व्यापारी, किसान और परिवार सस्ती रेल यात्रा पर निर्भर हैं।

पटना के सामाजिक कार्यकर्ता टीपी श्रीवास्तव कहते हैं कि इन यात्रियों की रोजमर्रा की जिंदगी अक्सर बेहद मुश्किल होती है।

भीड़, लंबी वेटिंग लिस्ट, गंदे शौचालय, पानी की कमी और आरक्षित डिब्बों में घुसते मुसाफिर आम शिकायतें हैं।

इन लोगों के लिए रेल यात्रा कोई शाही शौक नहीं है। यह जिंदगी की जरूरत है। मजदूर के लिए ट्रेन रोजी-रोटी का रास्ता है। छात्र के लिए घर पहुंचने का सहारा है। गरीब परिवार के लिए यह सबसे सस्ता सफर है। बदलती प्राथमिकताओं का एक और दर्दनाक उदाहरण है। वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली रेल किराये की छूट बंद कर दी गई।

एक निजी स्कूल के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य यमुना प्रसाद इस फैसले पर सवाल उठाते हैं।

मार्च 2020 से पहले 58 साल या उससे अधिक उम्र की महिलाओं को मूल किराये में 50 फीसदी छूट मिलती थी। 60 साल से अधिक उम्र के पुरुषों को 40 फीसदी रियायत दी जाती थी।

फिर कोरोना महामारी आई। रेल सेवाएं प्रभावित हुईं और वरिष्ठ नागरिकों की रियायत बंद कर दी गई।

महामारी चली गई। ट्रेनें पटरी पर लौट आईं। पाबंदियां खत्म हो गईं। वंदे भारत का विस्तार हो गया। नई प्रीमियम सेवाएं शुरू हो गईं। लेकिन बुजुर्गों की छूट वापस नहीं आई।

सरकार ने आर्थिक बोझ का हवाला देकर इस फैसले का बचाव किया है। लेकिन सवाल है कि छोटी पेंशन पर गुजारा करने वाली बुजुर्ग विधवा का क्या? बच्चों से मिलने जाने वाले रिटायर्ड कर्मचारी का क्या? इलाज या तीर्थयात्रा पर जाने वाले बूढ़े दंपती का क्या?

40 या 50 फीसदी की छूट कोई खैरात नहीं थी। यह उन लोगों के लिए छोटी-सी राहत थी, जिन्होंने जिंदगी भर देश की सेवा की और टैक्स दिया।

रेलवे की संसदीय स्थायी समिति ने भी वरिष्ठ नागरिकों की रियायतों पर दोबारा विचार करने की सिफारिश की है। खासकर स्लीपर और एसी थ्री टियर में छूट बहाल करने की बात उठी है। लेकिन सरकार ने अभी तक इसे वापस नहीं किया।

रफ्तार ही तरक्की का पैमाना नहीं!

किसी देश की तरक्की सिर्फ ट्रेनों की रफ्तार से नहीं मापी जा सकती। यह भी देखना होगा कि गरीब मुसाफिर को कितनी इज्जत और सुविधा मिल रही है।

रेल मंत्रालय को पिछले दस वर्षों के निवेश का पूरा हिसाब सार्वजनिक करना चाहिए।

बुलेट ट्रेन और प्रीमियम सेवाओं पर कितना खर्च हुआ? जनरल डिब्बों और स्लीपर कोचों पर कितना पैसा लगा? साधारण यात्री ट्रेनों, उपनगरीय सेवाओं और बुनियादी सुविधाओं पर कितना निवेश हुआ?

सरकार को कुछ सीधे सवालों के जवाब देने चाहिए।

क्या प्रवासी मजदूर बिना जान जोखिम में डाले घर पहुंच सकता है? क्या गरीब छात्र टिकट खरीद सकता है? क्या साधारण परिवार को बर्थ मिल सकती है? क्या बुजुर्ग अपने बच्चों से मिलने के लिए अपनी जमा-पूंजी खत्म किए बिना यात्रा कर सकते हैं?

सार्वजनिक मामलों के टिप्पणीकार प्रो. पारसनाथ चौधरी कहते हैं, ''बुलेट ट्रेन भारत के भविष्य का ऐलान कर सकती है। लेकिन जनरल डिब्बे की भीड़ बताती है कि करोड़ों लोगों को अभी कितना लंबा सफर तय करना है। रेलवे का आधुनिकीकरण स्वागत योग्य है। मगर आम मुसाफिर इसकी कीमत चुकाने वाला भूला-बिसरा शिकार नहीं बनना चाहिए।''

आखिर भारतीय रेलवे सिर्फ उन लोगों की जागीर नहीं है, जो महंगे टिकट खरीद सकते हैं। यह उस मजदूर की भी है, जो पसीना बहाकर देश बनाता है। उस किसान की भी है, जो अनाज उगाता है। उस छात्र की भी है, जो बेहतर भविष्य का सपना देखता है।

बुलेट ट्रेन दौड़े, वंदे भारत चमके, स्टेशन सुंदर बनें। किसी को एतराज क्यों होगा?

लेकिन जनरल डिब्बे में इंसान की तरह बैठने की जगह भी तो मिले!

दरभंगा के बद्री प्रसाद सही फरमाते हैं, ''रेलवे की असली क्रांति तब होगी, जब गरीब का सफर भी आरामदेह, सुरक्षित और सम्मानजनक बनेगा। वरना बुलेट ट्रेन की रफ्तार और आम आदमी की बेबसी के बीच फासला बढ़ता ही जाएगा।''

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

वास्तविक आनंद सत्ता और ऐश्वर्य में नहीं बल्कि निर्मल स्मृति और सहजता में बसता है

हरिवंश पुराण और भागवत पुराण के अत्यंत दुर्लभ तथा गोपनीय अध्यायों में द्वारका के स्वर्ण महलों के बीच हुए एक मार्मिक प्रसंग से जुड़ी यह पावन कथा भगवान श्रीकृष्ण की आंतरिक सहजता और ब्रज की सरल स्मृतियों के उस गुप्त मर्म को उजागर करती है जिसे बहुत कम लोग जानते हैं।

जब द्वारका के राजसी दरबार में चक्रवर्ती सम्राटों और विद्वानों के बीच बैठकर भगवान श्रीकृष्ण राजकाज और नीतियों का संचालन कर रहे थे तब दूर ब्रजभूमि से आया एक साधारण ग्वाला उनके समक्ष एक सामान्य सी बांस की बांसुरी लेकर पहुँचा।

उस ग्वाले ने संकोच के साथ कहा कि द्वारका की रत्नजड़ित सभा और स्वर्ण सिंहासन के बीच यह साधारण बांसुरी शायद कोई महत्व न रखती हो लेकिन यमुना के किनारे बिताए गए उन भोले दिनों की याद में वह इसे भेंट करने चला आया है।

भगवान श्रीकृष्ण ने राजसी आसन से उठकर अत्यंत आत्मीयता के साथ उस बांसुरी को अपने हाथों में लिया और उसकी सरल बनावट को निहारते हुए क्षण भर के लिए जैसे समय और सत्ता दोनों ही थम गए।

उन्होंने सभा में उपस्थित जनों से कहा कि राजमुकुट और वैभव मनुष्य को कर्तव्य और मयार्दा का बोध कराते हैं लेकिन जीवन की थकान मिटाने वाली निर्मलता केवल उन सरल क्षणों में मिलती है जहां कोई दिखावा या स्वार्थ नहीं होता।

भगवान श्रीकृष्ण ने उस ग्वाले को यह गुप्त रहस्य समझाया कि जो व्यक्ति शिखर पर पहुंचकर भी अपनी जड़ों और साधारण लोगों की भावनाओं को नहीं भूलता वही वास्तव में सबसे समृद्ध होता है।

यह भी माना जाता है कि उस क्षण द्वारका की भव्यता के बीच ब्रज की उस सादगी ने यह स्पष्ट कर दिया कि सुख की सबसे गहरी जड़ें बाहर के वैभव में नहीं बल्कि भीतर के संतोष में होती हैं।

यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि जीवन में कितनी भी बड़ी सफलता या ऊंचाई क्यों न मिल जाए हमें अपनी विनम्रता सरलता और आत्मीय रिश्तों की डोर कभी नहीं छोड़नी चाहिए।

सरकारी कौशल विकास का धरातलीय महाकौशल

प्रोफेसर स्वामी ध्यान प्रेम

युवा को धरातल पर हुनर मिला या केवल प्रमाणपत्र? सरकारी खर्च का प्रतिफल मिला या रोजगार की प्रतीक्षा? भारत के कौशल अभियान से अब सीधे सवाल पूछने का समय है।

भारत की सबसे बड़ी पूंजी उसका युवा है। उसके हाथों में हुनर हो, मस्तिष्क में नवाचार हो और श्रम को सम्मान मिले तो वह परिवार ही नहीं, राष्ट्र की अर्थव्यवस्था बदल सकता है। लेकिन युवा को प्रशिक्षण देने और उसे आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के बीच एक लंबी दूरी है। इसी दूरी का नाम है—कौशल विकास का वास्तविक महापरीक्षण।

सरकार ने वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना आरंभ की। उद्देश्य था युवाओं को उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षण देना, उनके कौशल का प्रमाणन करना और रोजगार के अवसरों तक पहुंच बनाना।

एक दशक से अधिक समय बाद सवाल यह नहीं कि कितने प्रशिक्षण केंद्र खुले, कितने पाठ्यक्रम बने और कितने प्रमाणपत्र बांटे गए। सवाल है कि कितने युवाओं की आमदनी बढ़ी, कितने परिवार आर्थिक रूप से मजबूत हुए और कितने युवाओं को अपने हुनर का उचित मूल्य मिला?

सरकारी खजाने से प्रशिक्षण केंद्र तक

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट संख्या 20, वर्ष 2025 ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के पहले तीन चरणों की पड़ताल की।

वर्ष 2015 से 2022 के बीच इन तीन चरणों के लिए लगभग 14,450 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रावधान था। इसमें 10,194 करोड़ रुपये जारी हुए और 9,261 करोड़ रुपये खर्च किए गए। कुल प्रशिक्षण एवं प्रमाणन लक्ष्य 1.32 करोड़ अभ्यर्थियों का था।

यह सार्वजनिक धन है। इसलिए इसकी सफलता केवल व्यय प्रमाणपत्रों से नहीं, वास्तविक सामाजिक और आर्थिक परिणामों से मापी जानी चाहिए।

ध्यान रहे, 14,450 करोड़ रुपये स्वीकृत प्रावधान था, पूरा खर्च नहीं। इसे खर्च हुई रकम बताना तथ्यात्मक गलती होगी।

प्रमाणपत्र और रोजगार के बीच की दूरी

सीएजी की लेखापरीक्षा के अनुसार पहले तीन चरणों के अल्पकालिक प्रशिक्षण और विशेष परियोजना घटकों में 56.14 लाख प्रमाणित अभ्यर्थियों में 23.18 लाख को रोजगार प्राप्त करने वाला दर्ज किया गया। अनुपात लगभग 41.29 प्रतिशत था।

यहां रोजगार की परिभाषा, अवधि और स्थायित्व का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है।

लेखापरीक्षा में चयनित राज्यों के राज्य-प्रबंधित घटक के आंकड़े और भी गंभीर अंतर दिखाते हैं।असम 49.0%
बिहार 6.1%
झारखंड 18.2%
केरल 27.8%
महाराष्ट्र 12.7%
ओडिशा 10.7%
राजस्थान 0.7%
उत्तर प्रदेश 17.7%

ये आठ चयनित राज्यों के संबंधित घटक के आंकड़े हैं, पूरे राज्यों की सभी योजनाओं अथवा राष्ट्रीय रोजगार दर के आंकड़े नहीं।

इन अंतरों को देखकर एक सीधा प्रश्न उठता है—एक ही राष्ट्रीय योजना के परिणाम राज्यों में इतने अलग क्यों हैं? क्या स्थानीय उद्योगों से तालमेल कमजोर था? क्या प्रशिक्षण पाठ्यक्रम रोजगार की वास्तविक मांग से मेल नहीं खाते थे? क्या नियुक्ति सहायता प्रभावी नहीं थी?

सीएजी ने कौशल प्रशिक्षण को वास्तविक रोजगार मांग से जोड़ने, दीर्घकालीन राष्ट्रीय कौशल विकास योजना बनाने और निगरानी मजबूत करने की सिफारिश की है।

परीक्षा में देरी, प्रमाणपत्र में देरी और निगरानी की कमजोरी

सीएजी की रिपोर्ट का एक और गंभीर निष्कर्ष प्रशिक्षण की गुणवत्ता और प्रमाणन प्रक्रिया से जुड़ा है।

आठ चयनित राज्यों में 1.61 लाख प्रशिक्षण समूहों से संबंधित 48.53 लाख अभ्यर्थियों के अभिलेखों की जांच की गई। कुछ मामलों में प्रशिक्षण पूरा होने के बाद मूल्यांकन में 1,270 दिन तक की देरी दर्ज हुई।

82,158 प्रशिक्षण समूहों में 23.87 लाख अभ्यर्थियों के प्रमाणन में निर्धारित समय से अधिक देरी पाई ।

यह केवल प्रशासनिक देरी नहीं है। युवा का समय, अवसर और रोजगार की संभावना भी इससे प्रभावित होती है। प्रशिक्षण का अर्थ तभी है जब समय पर परीक्षा हो, प्रमाणपत्र मिले और उस प्रमाणपत्र की बाजार में विश्वसनीयता हो।

उस्ताद का अनुभव और आधुनिक प्रशिक्षण का मेल

भारत के गांवों और कस्बों में हजारों अनुभवी कारीगर हैं। लोहार, बढ़ई, बुनकर, मिस्त्री, वाहन मरम्मत विशेषज्ञ, कुम्हार और मशीन संचालक अपने काम में व्यावहारिक दक्षता रखते हैं। उनके अनुभव को औपचारिक कौशल व्यवस्था से जोड़ना चाहिए।

इसके लिए अनुभव का मूल्यांकन, प्रशिक्षक प्रशिक्षण, सुरक्षा संबंधी ज्ञान और उचित पारिश्रमिक सुनिश्चित किया जाए। केवल प्रमाणपत्र को योग्यता और केवल अनुभव को पर्याप्त शिक्षण क्षमता मान लेना, दोनों गलत हैं।

भारत को ऐसा प्रशिक्षण मॉडल चाहिए जिसमें आधुनिक तकनीक और पीढ़ियों के अनुभव का संगम हो।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का युग और अंतिम जन का अधिकार

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन, अर्धचालक, हरित ऊर्जा, रोबोटिकी और अन्य आधुनिक क्षेत्रों के 600 से अधिक पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं।

सरकार के 12 अगस्त 2026 के विवरण के अनुसार 30 जून 2026 तक इन नए तकनीकी क्षेत्रों में 5.44 लाख से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया गया था। इन पाठ्यक्रमों के लिए 414.86 करोड़ रुपये का उपयोग भी दर्ज किया गया। यह सकारात्मक पहल है।

लेकिन प्रशिक्षण की असली परीक्षा यह होगी कि युवाओं को वास्तविक उपकरण, योग्य प्रशिक्षक, कार्यस्थल पर अभ्यास और उद्योग में अवसर कितने मिले।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का पाठ पढ़ना और उसका उपयोग करके वास्तविक समस्या हल करना अलग-अलग बातें हैं। इसीलिए आधुनिक कौशल का लाभ केवल बड़े शहरों और आर्थिक रूप से सक्षम युवाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए।

कौशल का अर्थ सामाजिक न्याय भी है

महिला, ग्रामीण युवा, वंचित वर्ग और दिव्यांग नागरिक अपनी रुचि एवं योग्यता के अनुसार हर प्रकार के प्रशिक्षण तक पहुंच सकें। महिला को केवल सिलाई या सौंदर्य सेवा तक सीमित करना और पुरुष को केवल तकनीकी कार्यों के लिए उपयुक्त मानना पुरानी सामाजिक सोच है। पाठ्यक्रम का चुनाव व्यक्ति की क्षमता और रुचि से होना चाहिए। दिव्यांग युवाओं के लिए सुगम प्रशिक्षण भवन, सहायक उपकरण, सांकेतिक भाषा और ब्रेल जैसी सुविधाएं उपलब्ध हों।

सामाजिक न्याय का अर्थ केवल प्रशिक्षण में नामांकन नहीं, बल्कि अवसर, कार्यस्थल और उचित आय तक समान पहुंच है।

अब समाधान का समय

भारत को कौशल विकास में कुछ बुनियादी परिवर्तन करने होंगे। पहला, प्रत्येक जिले में उद्योग, कृषि और सेवा क्षेत्र की वास्तविक मांग का नियमित आकलन हो।

दूसरा, अनुभवी कारीगरों को आधुनिक प्रशिक्षण व्यवस्था में सम्मानजनक स्थान मिले।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 28 नवंबर 2926 शनिवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।



मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज वृष कर्क सिंह तुला धनु और कुंभ राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। शनिवार का दिन न्याय के देवता शनिदेव और संकटमोचन हनुमान जी की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन शनि मंदिर में जाकर काले तिल और सरसों का तेल अर्पित करने तथा शनि चालीसा का पाठ करने से जीवन के सभी कष्ट और ग्रह दोष दूर होते हैं तथा न्याय अनुशासन और स्थायी सफलता की प्राप्ति होती है।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। शनिदेव को काले तिल अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। मंदिर में काले उड़द की दाल का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। शनि चालीसा का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।

कर्क

आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। शनि मंदिर में नीले रंग का पुष्प भेंट करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।



सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। शनिदेव के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। किसी जरूरतमंद को काले चने और भोजन दान करें जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

तुला

आज कला संस्कृति और न्यायिक क्षेत्र से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। मंदिर में शमी पत्र अर्पित करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। हनुमान चालीसा का पाठ करें जिससे आपके सभी विरोधी शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। मंदिर में शुद्ध तिल के तेल का दीपक जलाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। शनिवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। दशरथ कृत शनि स्तोत्र का पाठ करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। शनिदेव और हनुमान जी के चरणों में प्रणाम करके दिन की शुरूआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

शनिवार के दिन घर की पश्चिम दिशा को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां लोहे या कांच के पात्र में शुद्ध जल स्थापित करने तथा मुख्य द्वार पर स्वच्छता बनाए रखने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा शनिदेव की कृपा से घर में अनुशासन स्थायित्व और सुख-शांति का वास होता है।

गऊ ग्राम में आयुर्वेद के नए अध्याय का शंखनाद

चिकित्सालय और महाविद्यालय के निर्माण के लिए हुआ भूमि पूजन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



- वेद मंत्रों के बीच समिति पदाधिकारियों ने किया भूमि पूजन
- कर्मचारियों के लिए दो बीएचके आवासीय भवन भी बनेगा
- 28 नवंबर को सीएम योगी करेंगे विभिन्न प्रकल्पों का लोकार्पण और शिलान्यास

दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति के तत्वावधान में गुरुवार को गऊ ग्राम परखम स्थित दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र के परिसर में आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं महाविद्यालय का भूमि पूजन किया गया।मीडिया प्रभारी कीर्ति पी० कुमार ने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रमानुसार गुरुवार को प्रातः वेला में वेद मंत्रोच्चारण के मध्य आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं महाविद्यालय की स्थापना और कर्मचारियों के लिए टू बीएचके आवासीय भवन निर्माण के लिए समिति पदाधिकारियों ने भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर प्रसाद वितरण किया गया।विदित हो कि 28 नवंबर को आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गौ संवर्धन, आयुर्वेद, अनुसन्धान और शिक्षा को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति के मंत्री हरी शंकर शर्मा, संजय, डॉ० कैलाश सारस्वत, नरेंद्र पाठक, कमल कौशिक, जगदीश, डॉ० राम सारस्वत आदि सहित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अधिकारी, विभिन्न प्रमुख प्रकल्पों का विमोचन, लोकार्पण एवं शिलान्यास स्वयंसेवक और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाल श्रम रोकने हेतु चलाया गया संयुक्त रेस्क्यू अभियान

04 किशोर बाल श्रम से कराए गए मुक्त

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



जिलाधिकारी के निर्देशन में गुरुवार को जनपद मथुरा में बाल श्रम की रोकथाम एवं बाल अधिकारों के संरक्षण हेतु चाइल्ड हेल्पलाइन मथुरा, श्रम विभाग एवं थाना एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (अलर्ट) द्वारा थाना कोतवाली एवं थाना सदर बाजार क्षेत्र स्थित कचहरी परिसर में संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण किया गया, जिसमें 04 किशोर अलग-अलग प्रतिष्ठानों में बाल श्रम करते हुए पाए गए। इस पर श्रम विभाग द्वारा संबंधित प्रतिष्ठान मालिकों के विरुद्ध बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई।

जिलाधिकारी के निर्देशन में महिला कल्याण विभाग द्वारा बाल श्रम की रोकथाम, बच्चों के संरक्षण एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इस प्रकार के अभियान निरंतर संचालित किए जा रहे हैं।

धौलपुर की जिला परिषद में कांग्रेस का क्लीन स्वीप! जिला प्रमुख के बाद उप जिला प्रमुख की कुर्सी भी निर्विरोध कांग्रेस के खाते में



धौलपुर। धौलपुर जिला परिषद की राजनीति में कांग्रेस ने एक बार फिर अपनी मजबूत स्थिति का प्रदर्शन करते हुए उप जिला प्रमुख पद पर भी निर्विरोध कब्जा जमा लिया। गुरुवार को उप जिला प्रमुख पद के लिए हुए नामांकन में कांग्रेस के जिला परिषद सदस्य वीर सिंह मीणा का ही एकमात्र नामांकन दाखिल हुआ। निर्धारित समय सीमा तक भाजपा सहित किसी भी अन्य दल की ओर से प्रत्याशी मैदान में नहीं उतारा गया। ऐसे में जिला निर्वाचन अधिकारी ने वीर सिंह मीणा को निर्विरोध उप जिला प्रमुख निर्वाचित घोषित कर दिया।

वीर सिंह मीणा जिले के वार्ड संख्या 4 से कांग्रेस के जिला परिषद सदस्य हैं। उनके निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा के साथ ही कांग्रेस खेमे में खुशी की लहर दौड़ गई। खास बात यह रही कि उप जिला प्रमुख पद के चुनाव में मुकाबले की स्थिति ही नहीं बनी और भाजपा की ओर से किसी प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल नहीं किया।

जिला प्रमुख और उप जिला प्रमुख, दोनों पद कांग्रेस के नाम,

धौलपुर जिला परिषद में कांग्रेस ने दोनों प्रमुख पदों पर अपना कब्जा जमाकर राजनीतिक बढ़त हासिल कर ली है। इससे पहले बुधवार को जिला प्रमुख पद के लिए हुए चुनाव में कांग्रेस की अनीशा जाटव ने भाजपा की सोमवती भास्कर को महज एक वोट से पराजित कर जीत दर्ज की थी। इसके बाद उप जिला प्रमुख पद पर भी कांग्रेस प्रत्याशी के निर्विरोध निर्वाचन ने पार्टी की स्थिति और मजबूत कर दी।

29 वार्डों के चुनाव में कांग्रेस को मिला था बहुमत,

जिला परिषद के 29 वार्डों के चुनाव परिणामों में कांग्रेस ने 21 सीटों पर जीत दर्ज कर स्पष्ट बहुमत हासिल किया था। वहीं भाजपा को 5 और बसपा को 3 सीटों पर सफलता मिली थी। चुनाव परिणामों के बाद जिला प्रमुख और उप जिला प्रमुख, दोनों पद कांग्रेस के खाते में जाने से जिले की जिला परिषद में पार्टी का दबदबा स्थापित हो गया है।

बॉलीवुड में ब्रज का धमाका, इमरान हाशमी से भिड़ेंगे दुर्गी भैया!

गन मास्टर जी9 में विलेन बनेंगे दुर्गी भैया, लकी तौमर भी आएंगे नजर

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



- बड़े पर्दे पर ब्रज के दो कलाकारों का दिखेगा दमदार अंदाज
- इमरान हाशमी और अपारशक्ति खुराना के साथ साझा करेंगे स्क्रीन
- 27 नवंबर को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

ब्रज कलाकार एक बार फिर मायानगरी मुंबई में जलवा बिखरने जा रहे हैं। ब्रज के जाने-माने कलाकार दुर्गी बड़े पर्दे पर अपनी दमदार अदाकारी का जलवा बिखेरते नजर आएंगे। फिल्म निर्देशक आदित्य दत्त, फिल्म निमार्ता दीपक मुकुट के नेतृत्व में प्रोडक्शन हाउस सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट के बैनरतले वे आगामी बॉलीवुड फिल्म 'गन मास्टर जी9' में एक विलेन के किरदार में दिखाई देंगे। यह फिल्म 27 नवंबर को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। अपने अनूठे अंदाज और अभिनय के दम पर मुंबई फिल्म इंडस्ट्री में ब्रज का मान बढ़ाने वाले दुर्गी भैया इस फिल्म में बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता इमरान हाशमी और अपारशक्ति खुराना के साथ स्क्रीन साझा करते दिखेंगे।

फिल्म में उनका नकारात्मक किरदार दर्शकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रहने वाला है। इस फिल्म के माध्यम से ब्रज क्षेत्र के लिए दोहरी खुशी का अवसर आया है। दुर्गी भैया के साथ-साथ ब्रज के ही एक अन्य युवा कलाकार लकी तौमर को भी इस बड़े प्रोजेक्ट में अभिनय करने का मौका मिला है, जिससे स्थानीय कलाकारों और क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह है।

दुर्गी भैया ने ब्रजवासियों और अपने प्रशंसकों से सिनेमाघरों में जाकर फिल्म देखने और अपना प्यार व आशीर्वाद देने की अपील की है।

आगरा में लगेगा जॉब मेला,मौके पर ही मिलेगा ऑफर लेटर

आगरा। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद, आगरा महानगर की ओर से जॉब मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए निशुल्क पंजीकरण शुरू हो गया है। इच्छुक अभ्यर्थी 30 नवंबर 2026 तक अपना रिज्यूमे व्हाट्सएप नंबर 9458507776 पर भेज सकते हैं या बल्केश्वर स्थित गणेश राम नागर सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर में जमा करा सकते हैं। प्राप्त रिज्यूमे के आधार पर योग्य अभ्यर्थियों को विभिन्न कंपनियों के साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया जाएगा। जॉब मेले में चयनित उम्मीदवारों को उसी दिन ऑफर लेटर भी दिया जाएगा। आयोजकों का उद्देश्य युवाओं को रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है।

रंजिश की आग में जली 2500 करब और 45 कुंतल गेहूं

फतेहाबाद। थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गाँव हिमायूंपुर गूजर में खाली प्लाट में करब व भूसे के कूपों में आग लगाने के मामले में पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गाँव हिमायूंपुर गूजर निवासी रमाकांत बघेल पुत्र महेश चंद ने थाने में तहरीर देकर पुलिस को बताया कि बुधवार को तीन बजे से चार बजे के बीच गाँव के देवेंद्र , दिलीप ,भूरा पुत्र राजवीर, रामदुलारे पुत्र नेहने सिंह व राजवीर ने एक राय होकर जानबूझकर खाली प्लाट में रखी 2500 करब के बंडल, भूसे के कूपों में माचिस से आग लगा दी और गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गए जिससे ताऊ बलवीर,चाचा बंटू सहित हम तीनों का करीब 45 कुंतल गेहूं, 2500 करब के बंडल व एक समरसेबिल जलकर राख हो गए। तभी जानकारी होने पर ताऊ बलवीर की पुत्री सुमन आग बुझाते समय झुलस गई। जिससे वह घायल हो गई। जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं रमाकांत की तहरीर पर पुलिस ने देवेंद्र, दिलीप, भूरा, रामदुलारे व राजवीर के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

विद्युत विभाग की रेड्स टीम ने चार स्थानों पर पकड़ी चोरी

मथुरा। विद्युत विभाग की रेड्स टीम ने छटीकरा क्षेत्र में अभियान चलाकर चार स्थानों पर बिजली चोरी के मामले पकड़े। कार्रवाई के दौरान हाईवे स्थित ढाबे से लेकर गेस्ट हाउस और पानी प्लांट तक में बिजली का अवैध उपयोग होता मिला। विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में खलबली मच गई। एक्सईएन रेड्स रवीन्द्र कुमार के निर्देश पर शहरी रेड्स टीम ने सूचना के आधार पर छटीकरा क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। जांच के दौरान हाईवे स्थित शिवशक्ति ढाबा पर सीधे विद्युत लाइन से बिजली का उपयोग होता मिला। वहीं हरीधाम गेस्ट हाउस में मीटर बाईपास कर बिजली चोरी की जा रही थी। सुनरख स्थित पप्पू के पानी प्लांट में भी बिजली चोरी पकड़ी गई। इसके अलावा छटीकरा चौराहे पर फर्जी मीटर लगाकर विद्युत उपयोग किए जाने का मामला सामने आया। विद्युत विभाग की टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए चोरी के मामले दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन मामलों में लाखों रुपये का जुमार्ना लगाए जाने की संभावना है। कार्रवाई एई रेड्स भूपेन्द्र के निर्देशन में जेई पवन और उनकी टीम ने की।

मौत से टकराई थार, खाई में पलटी; छह युवक घायल

मथुरा। थाना मांट क्षेत्र में मांट-पानीगांव रोड पर राधारानी मंदिर कट के पास गुरुवार तड़के थार कार और ईंटों से भरे ट्रैक्टर के बीच आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में थार सवार छह युवक घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि थार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। गुरुवार सुबह करीब तीन बजे ईंटों से भरा स्वराज 735 ट्रैक्टर पानीगांव की ओर जा रहा था। वहीं थार कार पानीगांव की तरफ से मांट आ रही थी। राधारानी कट के पास दोनों वाहनों में भिड़ंत हो गई। हादसे में थार सवार भरतिया गांव निवासी हरीबाबू, करन, जगदीश, मोहित, राहुल और कान्हा घायल हो गए। सूचना पर पहुंची थाना मांट पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मांट भिजवाया और उनके परिजनों को सूचना दी। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त थार को खाई से निकलवाने में जुटी रही। पुलिस के अनुसार सभी घायलों को हल्की चोटें आई हैं। मामले में तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मंदिरों के पास कूड़े का अंबार, आग बबूला हुईं महिलाएं

पूर्व प्रधान के घर बोला धावा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- बिहारी जी मंदिर गलियारा समेत कुंड और मंदिरों के आसपास गंदगी से त्रस्त लोग
- दो दर्जन से अधिक महिलाओं ने प्रशासक के घर पहुंचकर जताया आक्रोश
- 39 करोड़ की ग्रांट वाली पंचायत में सफाई व्यवस्था बदहाल, 10 दिन का अल्टीमेटम



गोवर्धन क्षेत्र की अडींग पंचायत में मंदिरों के निकट गंदगी से डलावघर बनाने से महिलाएं नाराज हैं। दो दर्जन से अधिक महिलाएं गुरुवार को प्रशासक (पूर्व प्रधान) के घर जा पहुंची । मंदिरों के निकट व कुण्ड में गंदगी के चलते लोगों का सांस लेना दूभर हो रहा है। कचरे के डालने का स्थान मंदिरों से दूर रखने एवं रोजाना उठान की भी मांग की। महिलाओं ने बताया कि पूरी पंचवर्षीय निकलने के बाद भी इस दिशा में पहल नहीं की गई। अब भी प्रशासक ने 10 दिन का समय मांगा है।

39 करोड़ की परफॉर्मेंस ग्रांट वाली पंचायत में हाल बेहाल है। यह अलग बात है कि पंचायत को स्वच्छता का राज्य स्तरीय पुरस्कार मिल चुका है। अब जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री पुरस्कार के लिए पंचायत का नाम भेजा है। हकीकत यह है कि करोड़ों खर्चने के बाद भी ग्रामीण मूलभूत जरूरतों को लेकर भी परेशान रहते हैं। पंचायत के सफाई कर्मचारियों ने ठेके पर चंद लोग छोड़ रखे हैं। वह गांव के किसी एक कोने की सफाई में खप जाते हैं। किलोमीटरों में फैले गांव के निजी सफाई करने वालों को कहीं भी कूड़ा डालने की जगह नजदीक नहीं। पंचायत की ट्रालियों का अता पता नहीं। खरीदी गई ट्राली भी पूरी तादात में मौजूद नहीं हैं ऐसे आरोप हैं। ट्राली खडी. हो जाए तो ट्रैक्टर में डीजल का पता नहीं रहता। जहां ट्राली खडी. कर दी जाती हैं वहीं कयी ट्राली कूडा. जमा हो जाता है। बिहारी जी मन्दिर गलियारा के पास महादेव मंदिर, पीछे पथवारी मंदिर, गंगाजी आदि मंदिर व निकट ही किलोल कुण्ड के घाट हैं। इस क्षेत्र में गंद खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। पहले रत्न पार्क उत्सव केन्द्र के निर्माण के चलते गंदा पानी भरा रहता था अब मुहल्ले के कूड़े के निस्तारण को लेकर लोग परेशान हैं।

विरोध प्रदर्शन करने वाली महिलाओं में बबीता शर्मा, जमुना, राधा, मीना, बबिता सोनी, कृष्णा देवी, चंचल शर्मा, संगीता, रूपा,रानी,सुनीता,सोनदेई,कमलेश चौधरी, राम बेटी, आरती, रेनू, लक्ष्मी, कुशुम, रेखा, चंद्रकला, शीला आदि प्रमुख थीं।

नगर आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम ने 2 स्थानों पर की कार्रवाई

प्रीमियम नगर बापू नगर में डेयरी संचालक पर गंदगी करने पर जुमार्ने की कार्रवाई-नगर निगम ने लगाया 5000 का जुर्माना





अलीगढ़। शहर में व्यवस्थित यातायात सड़को को अतिक्रमण व ट्रफिक मुक्त बनाये जाने एवं नगर निगम संपत्ति कर वसूली को लक्ष्य के सापेक्ष वसूलने के लिए प्रयासरत नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के निर्देश पर नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर युद्ध स्तर पर रोजाना प्रवर्तन कार्रवाई कर रहा है। जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

नगर आयुक्त के निर्देश पर पशु कल्याण अधिकारी डॉ राजेश वर्मा के नेतृत्व में प्रीमियम नगर बापू नगर क्षेत्र में डेयरी संचालक द्वारा गंदगी और गोबर नाली में बहाने की शिकायत पिछले दिनों जनसुनवाई के दौरान नगर आयुक्त के संज्ञान में लाई गई थी। गुरुवार को नगर आयुक्त ने तत्काल इस शिकायत का संज्ञान लेते हुए पशु कल्याण अधिकारी को मौके पर भेज कर इस समस्या का समाधान कराये जाने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त के निर्देश पर पशु कल्याण अधिकारी डॉ राजेश वर्मा के नेतृत्व में नगर निगम प्रवर्तन टीम ने उक्त डेरी संचालक के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए ?5000 का जुमार्ना वसूल किया साथ ही कालोनी की सड़क पर घूम रहे दो आवारा गौवंश/पशुओं को भी जब्त कर गौशाला भिजवाया।

जमालपुर क्षेत्र में स्थित राशन वाली गली में आए दिन ट्रैफिक जाम की समस्या से पिछले दिनों नागरिकों ने नगर आयुक्त को जनसुनवाई के दौरान अवगत कराया था। इस समस्या के समाधान के लिए नगर आयुक्त ने सहायक नगर आयुक्त तपस्या यादव को तत्काल इस गली से अवैध स्थाई और अस्थाई अतिक्रमण को चिन्हित करते हुए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाने की निर्देश दिए।

गुरुवार को सहायक नगर आयुक्त तपस्या यादव के नेतृत्व में राशन वाली गली में अवैध अस्थाई अतिक्रमण को व्यवस्थित करके ट्रैफिक व्यवस्था को प्रभावी बनाया गया मौके पर दुकानदारों को निर्देशित किया गया कि अपनी दुकान/प्रतिष्ठान की परिधि में ही अपने सामान को रखें अन्यथा की स्थिति में अगली बार सामान जब्त करते हुए जुमार्ना वसूल करने की कार्रवाई की जाएगी।

शहर के विकास को गति देने के लिए नगर निगम संपत्ति कर के बड़े बकायेदारों पर करेगा कार्रवाई

अलीगढ़। नगर निगम संपत्ति कर वसूली के निर्धारित लक्ष्य को अधिक से अधिक प्राप्त करने के उद्देश्य से नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने गुरुवार को संपत्ति कर वसूली की समीक्षा करते हुए बड़े बकायेदार सरकारी विभागों एवं भवनों पर कार्रवाई की तैयारी शुरू करने के निर्देश अधीनस्थों को दिए है साथ ही नगर आयुक्त ने कार्रवाई से पूर्व नगर निगम संपत्ति कर के बड़े बकायेदार सभी सरकारी विभागों को समन्वय बैठक के लिए आमंत्रित किया गया है यह बैठक शनिवार को नगर आयुक्त की अध्यक्षता में नगर निगम सेवा भवन में आयोजित की जाएगी।

संपति कर वसूली की समीक्षा बैठक में धनीपुर मंडी एवं बीज गोदाम संचालकों द्वारा नगर निगम का संपत्ति कर जमा नहीं किए जाने पर नगर आयुक्त ने नाराजगी व्यक्त की। नगर आयुक्त ने कर निर्धारण अधिकारी आशीष कुमार सेठ एवं संबंधित क्षेत्रीय जोनल अधिकारी को धनीपुर मंडी में संपत्ति कर वसूली के दृष्टिगत व्यापारियों, मंडी समिति के सचिव एवं मंडी अध्यक्ष से वार्ता करने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने कहा कि विभागीय कार्रवाई तालाबंदी एवं कुर्की से पूर्व संबंधित बकायेदारों को अंतिम नोटिस जारी किया जाए वार्ता के उपरांत भी यदि धनीपुर मंडी समिति एवं बीज गोदाम संचालकों द्वारा नगर निगम का संपत्ति कर जमा नहीं किया जाता है तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कुर्की की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

गुरुवार को नगर निगम सेवा भवन सभागार में संपत्ति कर वसूली की समीक्षा करते हुए नगर आयुक्त ने कर निर्धारण अधिकारी से नगर निगम के सभी चार जोन में संपत्ति कर के बड़े सरकारी विभागों एवं भवनों के बकायेदारों का विस्तृत ब्यौरा तलब किया। नगर आयुक्त ने सरकारी विभागों पर संपत्ति कर बकाया होने को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए लक्ष्य के सापेक्ष प्रत्येक सरकारी विभाग एवं बड़े बकायेदारों से संपत्ति कर वसूली की कार्रवाई में तेजी लाने के निर्देश दिए।

नगर निगम संपत्ति कर में वृद्धि को लेकर निरंतर प्रयासरत नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के निर्देश पर नगर निगम संपत्ति कर के बड़े बकायेदारों के विरुद्ध तालाबंदी की तबातोड़ कार्रवाई नगर निगम द्वारा की जा रही है।

सफल सीए बनने के लिए किताबी ज्ञान ही नहीं, व्यावहारिक अनुभव भी जरूरी

- शेयर बाजार में समझदारी से निवेश, जीएसटी अनुपालन में बरतें सावधानी
- भावी सीए ने सीखे निवेश, जोखिम प्रबंधन और कर अनुपालन के मूलमंत्र

टीएनएफ टुडे, आगरा।

द इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की छात्र इकाई सिकासा की ओर से अकाउंटेंसी के विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक और व्यावसायिक क्षेत्र की बारीकियों से परिचित कराने के उद्देश्य से संजय प्लेस स्थित होटल हॉलिडे इन में सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जीएसटी संयुक्त आयुक्त अजीत कुमार सिंह, मुख्य वक्ता सीए निधि गर्ग एवं सीए पल्लवी गर्ग, आगरा शाखा अध्यक्ष सीए सौरभ एन. सक्सेना, उपाध्यक्ष सीए आयुष गोयल तथा सिकासा अध्यक्ष एवं शाखा कोषाध्यक्ष सीए अंकित मित्तल ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

पहले सत्र में सीए निधि गर्ग ने बताया कि शेयर बाजार में निवेश केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि सही जानकारी, बाजार की समझ और सोच-समझकर लिए गए



वित्तीय निर्णयों की प्रक्रिया है। निवेश से पहले संबंधित क्षेत्र का अध्ययन, जोखिम का आकलन और उचित रणनीति अपनाना बेहद जरूरी है। शेयर बाजार की कार्यप्रणाली, कारोबार और निवेश के बीच अंतर, दीर्घकालिक निवेश की रणनीतियों तथा जोखिम प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर समझना होगा।

दूसरे सत्र में सीए पल्लवी गर्ग ने कहा कि व्यापारिक प्रतिष्ठानों में पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन एवं समयबद्ध कर अनुपालन का विशेष महत्व है। साथ ही रिटर्न दाखिल करते समय होने वाली सामान्य त्रुटियों, इनपुट टैक्स क्रेडिट के मिलान तथा वित्तीय विवरणों की शुद्धता होनी चाहिए। जीएसटीआर-9 एवं जीएसटीआर-9सी के प्रमुख प्रावधानों, वार्षिक रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया, लेखा अभिलेखों के मिलान तथा कर संबंधी अनियमितताओं पर सावधानी बरतनी होगी। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों को बताया कि वार्षिक रिटर्न तैयार करते समय किन तथ्यों का विशेष ध्यान रखना चाहिए और जीएसटी अनुपालन के दौरान होने वाली सामान्य गलतियों से किस प्रकार बचा जा सकता है।

सिकासा अध्यक्ष सीए अंकित मित्तल ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक दौर में सीए विद्यार्थियों के लिए केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं है। उन्हें बाजार की बदलती परिस्थितियों, निवेश के तौर-तरीकों और कर अनुपालन की व्यावहारिक जानकारी भी होनी चाहिए। शेयर बाजार, वित्तीय प्रबंधन और जीएसटी जैसे विषय भविष्य में उनके व्यावसायिक जीवन की मजबूत नींव तैयार करेंगे। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक एवं व्यावसायिक ज्ञान प्रदान करना तथा उन्हें भविष्य की वित्तीय और कर संबंधी चुनौतियों के लिए तैयार करना रहा।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष तनिष्क अग्रवाल, सचिव प्रियंशी गुप्ता, कोषाध्यक्ष वैभव गोयल, अभिषेक अग्रवाल, हिमांशी गोयल, अंशिका अग्रवाल, इशिका दुबे, नमन वित्यानी, देव मित्तल आदि मौजूद रहे।

पूर्व गणतंत्र दिवस शिविर (मध्य क्षेत्र) के छठे दिन परेड

- बौद्धिक सत्र और सांस्कृतिक संध्या की धूम

- राष्ट्र निर्माण, नैतिक मूल्यों और अहिंसा पर वक्ताओं ने साझा किए विचार; विभिन्न राज्यों के स्वयंसेवकों ने दी लोक-संस्कृति की प्रस्तुतियां

टीएनएफ टुडे, आगरा।



डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित पूर्व गणतंत्र दिवस शिविर (मध्य क्षेत्र)-2026 के छठे दिन अनुशासन, बौद्धिक विमर्श और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन हुआ। दिन की शुरूआत प्रभात फेरी से हुई, जिसका नेतृत्व मध्य प्रदेश के टीम लीडर डॉ. अंजलि शर्मा और डॉ. एम.ए. अंसारी ने किया। इसके बाद स्वयंसेवकों ने परेड का अभ्यास किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. पूनम तिवारी के मार्गदर्शन में शिविर की गतिविधियों के माध्यम से युवाओं में नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा की भावना को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

पहले बौद्धिक सत्र में महर्षि परशुराम महिला महाविद्यालय (अलवर) के प्राचार्य प्रो. डॉ. राजीव कुमार जैन ने स्वयंसेवकों को युवाओं की भूमिका, व्यक्तित्व विकास और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी के महत्व के बारे में संबोधित किया। वहीं, दूसरे बौद्धिक सत्र में अहिंसा ग्रुप के चेयरमैन रोहित जैन ने अहिंसा, नैतिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रहित में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार रखते हुए उन्हें सेवा भाव और सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित किया।

शाम को आयोजित सांस्कृतिक संध्या में विभिन्न राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीतों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए क्षेत्रीय विविधता की प्रस्तुतियां दीं।

इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशक समरदीप सक्सेना, युवा अधिकारी राजेश तिवारी, अश्वनी, प्रो. रामवीर सिंह चौहान, डॉ. हेमलता, रोशन सिंह, शिव कुमार मिश्रा, शिवम सारस्वत, कादिर, उत्कर्ष तथा बिहार से डॉ. राजेश कुमार मिश्रा, झारखंड से कुमार प्रशांत भारती, छत्तीसगढ़ से डॉ. हिमानी तिवारी, उत्तराखंड से डॉ. प्रतिभा शाह, मध्य प्रदेश से डॉ. मीना व डॉ. तपेश और उत्तर प्रदेश से डॉ. एफ.एन. मिश्रा सहित विभिन्न राज्यों के कार्यक्रम अधिकारी व स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पद्मश्री डॉ. राधेश्याम पारीक ने दिया नशामुक्ति व संवैधानिक मूल्यों का संदेश

- युवाओं को नागरिकों के अधिकारों, कर्तव्यों और सरकारी योजनाओं से कराया गया रूबरू; नशामुक्त समाज के निर्माण का लिया संकल्प

टीएनएफ टुडे, आगरा।



संविधान दिवस के अवसर पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत 'मेरा युवा भारत', आगरा के तत्वावधान में गुरुवार को युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. राधेश्याम पारीक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान अतिथियों ने युवाओं के साथ सीधा संवाद करते हुए संविधान के मूल्यों, राष्ट्र निर्माण, सामाजिक उत्तरदायित्व, नशामुक्ति, खेल और युवा कल्याणकारी योजनाओं पर विचार साझा किए।

मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. राधेश्याम पारीक ने युवाओं को संबोधित करते हुए भारतीय संविधान के महत्व, नागरिकों के अधिकारों व कर्तव्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि युवा केवल भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति हैं और उन्हें समानता, स्वतंत्रता, न्याय व बंधुत्व जैसे संवैधानिक मूल्यों को जीवन में उतारना चाहिए। नशामुक्ति पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि नशा शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन पर बुरा असर डालता है, इसलिए युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, लक्ष्य और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार बनना चाहिए तथा दूसरों को भी जागरूक करना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला युवा अधिकारी डॉ. श्रवण कुमार सहगल ने कहा कि 'मेरा युवा भारत' युवाओं को प्रतिभा निखारने, नेतृत्व क्षमता बढ़ाने और सामाजिक गतिविधियों से जुड़ने का सशक्त मंच दे रहा है। उन्होंने युवाओं से समाज की समस्याओं के समाधान और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। पद्म चंद जैन कैंपस डायरेक्टर ए.के. गुप्ता ने शिक्षा, अनुशासन, व्यक्तित्व विकास और लक्ष्य निर्धारण के महत्व पर अपने विचार रखे, जबकि स्पोर्ट्स आइकॉन सुमन सिंह ने अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना के लिए युवाओं को किसी न किसी खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

यूथ आइकॉन आदर्श पोरवाल ने पीपीटी के माध्यम से केंद्र व राज्य सरकार की युवा कल्याणकारी योजनाओं, उनके उद्देश्यों और लाभों की जानकारी दी। युवाओं ने भी सवाल-जवाब के माध्यम से संवाद में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेविकाओं कनक चौहान एवं अर्शिया हाशमी ने किया। आयोजन को सफल बनाने में अंकित, सहायक प्रोफेसर प्रेरणा मेहता, आशारानी शर्मा, कुर्बान, अक्षय, ध्रुव, शिवम, उत्कर्ष, नितिश कुमारी, ब्रजमोहन और अर्जुन सहित अन्य सहयोगियों का योगदान रहा। अंत में सभी युवाओं ने संवैधानिक आदर्शों को अपनाने और नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

परिक्रमा की आस में आए परिवार पर टूटा कहर

मथुरा। गिरिराज महाराज की परिक्रमा और दर्शन की अभिलाषा लेकर गोवर्धन आए ग्रेटर नोएडा के एक परिवार की खुशियां उस समय चीख-पुकार और मातम में बदल गईं, जब उनका छह वर्षीय मासूम बेटा कुंड में डूब गया। काफी तलाश के बाद बच्चे का शव ऋण मोचक कुंड में मिला। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। जिस धार्मिक यात्रा पर परिवार हंसी-खुशी निकला था, उसका अंत कभी न भूलने वाले दर्द के रूप में हुआ।

जानकारी के अनुसार ग्रेटर नोएडा निवासी देवराज शर्मा अपने परिवार के साथ गिरिराज महाराज की परिक्रमा करने गोवर्धन आए थे। परिवार ने पहले बड़ी परिक्रमा पूरी की। इसके बाद छोटी परिक्रमा के दौरान थकान महसूस होने पर सभी लोग बिजलीघर के सामने स्थित पार्क में बैठकर आराम करने लगे। इसी बीच उनका छह वर्षीय बेटा रजत अचानक परिजनों की नजरों से ओझल हो गया। कुछ देर तक बच्चा दिखाई नहीं दिया तो परिवार के लोगों ने उसकी तलाश शुरू कर दी।

मासूम के लापता होने से परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के क्षेत्रों में काफी खोजबीन की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसी दौरान तलाश करते हुए ऋण मोचक कुंड में बच्चे का शव दिखाई दिया। परिजन तत्काल उसे कुंड से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोवर्धन पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक अमित के अनुसार बच्चे को अस्पताल मृत अवस्था में लाया गया था।

विद्युत विभाग ने बनाए वाल विद्युत मित्र और ऊर्जा दूत

राजाखेड़ा। विद्युत विभाग राजाखेड़ा के तत्वाधान में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र राजाखेड़ा में एक दिवसीय पर्यावरण संरक्षण के लिए वाक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें जिसमें सहायक अभियंता आनंद तिवारी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में दुनिया बहुत तरक्की कर रही है,बहुत कल कारखाने खुल रहे हैं।जिनसे देश की तरक्की हो रही है परंतु जहां इस से विकाश हो रहा है वहीं इनके दुष्परिणाम में प्रकृति का अंधाधुंध दोहन हो रहा है, और इनसे निकलने वाले धुंआ से ओर अपशिष्टों से पर्यावरण को हानि पहुंच रही है।तो इस परिस्थिति में हम सब संसाधनों का उचित उपभोग कर के इस हानि को कम कर सकते हैं साथ ही अगर हर इंसान अगर 5 पेड़ लगाए तो हम अपनी प्रकृति की रक्षा कर सकते हैं जिस से आने वाली हमारी जनरेशन सुरक्षित रह सके साथ ही आज संविधान दिवस के मौके पर विद्यार्थियों को कहा कि आप अपने मौलिक अधिकारों के साथ साथ मौलिक कर्तव्यों का पालन कर देश सेवा कर सकते हैं।।कनिष्ठ अभियंता विशाल जायसवाल ने विद्यार्थियों



को बताया कि हम जीवन में नित्य के जो काम के उनके द्वारा ही पर्यावरण और देश के विकाश में सहयोग कर सकते हैं जैसे वाहन का उपयोग तभी करें जब बहुत जरूरी हो,नहीं पैदल ही जाए, जहां साइकिल से काम हो सके वह उसका उपयोग करे,अगर कोई एक ही स्थान पर कार्य करते हैं तो अलग अलग वाहन से न जाकर ग्रुप में एक ही वाहन का उपयोग करें,विद्युत का उपभोग उचित तरीके से करें,स्विच को प्रॉपर बंद करें जितना जरूरत हो उतना ही उपयोग करें,इन आदतों से भी हम परोक्ष रूप से पर्यावरण संरक्षण कर सकते हैं,साथ विद्यार्थियों को बाल विद्युत मित्र और संविधान का पालन करने की और पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलवाई।कनिष्ठ अभियंता रणवीर सिंह मुंड ने बताया कि आप को आज सहायक अभियंता जी ने बाल विद्युत मित्र की शपथ दिलवाई और विद्युत के बारे में बताया,अब जहां विद्युत जीवन के लिए जितने उपयोगी है,उतना ही लापरवाही होने पर जीवन के लिए खतरा है,इसलिए आप सभी की ये ड्यूटी है कि आप अपने घर के आस पास, और घर वालों को बताएं कि हमें विद्युत पोलो से दूर रहना चाहिए,लाइन के नीचे नहीं चलना चाहिए,घरों में प्रॉपर तरीके से अर्थिंग होनी चाहिए,विद्युत मीटर से ही विद्युत का उपभोग करना चाहिए,घरों में अच्छे विद्युत उपकरण उपयोग करें।साथ ही लाइन खराब होने पर विभाग के कर्मचारी को अवगत करा के उन से ही काम कराए।जिस से विद्युत से होनी वाली जन हानि को रोका जा सके।उक्त गोष्ठी शिविर में वरिष्ठ टेक्निशियन रामनरेश शर्मा,आई टी आई स्टाफ और अन्य कर्मचारी और आई टी आई प्रशिक्षार्थी उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर गूंजा संविधान की प्रस्तावना का संदेश

-एक स्वर, एक संविधान कार्यक्रम में हजारों विद्यार्थियों ने किया प्रस्तावना का सामूहिक वाचन

- जनपद के सभी विद्यालयों में हुआ आयोजन, संविधान विषयक प्रतियोगिताओं के विजेता हुए सम्मानित
- न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं विद्यार्थियों ने राष्ट्रगान के साथ लिया संविधान के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प

टीएनएफ टुडे, मथुरा।



भारतीय संविधान के प्रति सम्मान, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार एवं नागरिकों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से संविधान दिवस के अवसर पर जनपद मथुरा में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा के तत्वावधान में आयोजित इन कार्यक्रमों में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, शिक्षकों एवं हजारों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

संविधान दिवस के अवसर पर संस्कार पब्लिक स्कूल, महोली रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, मथुरा में संविधान संवाद अभियान के अंतर्गत ह्लद्यएक स्वर, एक संविधानह्लह्ल कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद न्यायाधीश विकास कुमार ने की।

कार्यक्रम में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती अनीता सिंह द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। इसके उपरांत उपस्थित हजारों छात्र-छात्राओं, न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं अन्य प्रतिभागियों ने एक स्वर में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। एक साथ गूंजते प्रस्तावना के शब्दों ने न्याय, स्वतंत्रता, समता एवं बंधुता के संवैधानिक आदर्शों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का संदेश दिया।

इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश ने संविधान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए संविधान में निहित मूल्यों एवं आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा अधिकारों के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों का भी पूरी निष्ठा से पालन करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान जनपद न्यायाधीश द्वारा नशे की बढती प्रवृत्ति एवं उसके दुष्परिणामों पर भी चर्चा की गई। विद्यार्थियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक एवं सामाजिक नुकसान के प्रति जागरूक करते हुए नशे से सदैव दूर रहने का संदेश दिया गया। युवाओं से अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों में लगाने तथा स्वयं नशे से दूर रहकर अपने परिवार एवं समाज को भी नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया गया। इस बात पर जोर दिया गया कि स्वस्थ एवं नशामुक्त युवा ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला हैं।

कार्यक्रम में अपर जिला जज अजय पाल सिंह, अरविन्द कुमार यादव, अनुराग शर्मा, सुरेन्द्र प्रसाद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे सूर्यभान कुमार वर्मा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती अनीता सिंह, अपर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) श्रीमती सुरभि श्री गुप्ता एवं श्रीमती अदिति सिंह, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) श्रीमती महिमा जैन, अतिरिक्त पीठासीन अधिकारी लाल बहादुर, बार एसोसिएशन मथुरा के अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह एवं सचिव श्री मनोज शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेन्द्र सिंह, संस्कार पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष आकाश सिंघल सहित विद्यालय के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त लीगल एड डिफेंस काउंसिल, पराविधिक स्वयंसेवक, पैनल अधिवक्ता, विभिन्न विद्यालयों के हजारों छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान का गायन किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन देश की एकता, अखंडता एवं संविधान के प्रति सम्मान की भावना के वातावरण में हुआ।

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार संविधान दिवस के अवसर पर जनपद मथुरा के समस्त विद्यालयों में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया गया। इसके साथ ही कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के मध्य संविधान विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को संविधान की मूल भावना, मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की जानकारी दी गई। प्रत्येक विद्यालय में प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

संविधान दिवस के अवसर पर जनपद न्यायालय, मथुरा परिसर में भी जनपद न्यायाधीश विकास कुमार की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में समस्त न्यायिक अधिकारीगण, न्यायालय के कर्मचारीगण एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश विकास कुमार द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया।

उपरोक्त आयोजन के मुख्य कार्यक्रम स्थल पर लगभग 6,000 प्रतिभागियों ने सहभागिता की, जबकि जनपद के विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में लगभग 2,08,500 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रकार, आज आयोजित समस्त कार्यक्रमों में कुल लगभग 2,14,500 प्रतिभागियों की सहभागिता रही।

संगोष्ठी में भारतीय संविधान की महत्ता, लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायपालिका की भूमिका तथा संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समता एवं बंधुता के आदर्शों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों के साथ नागरिकों के कर्तव्यों के निर्वहन की आवश्यकता पर बल दिया गया। संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित इन सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य जनसामान्य, विशेषकर युवा पीढी में संवैधानिक चेतना का विकास करना तथा संविधान के मूल आदर्शों के प्रति सम्मान एवं प्रतिबद्धता की भावना को सुदृढ करना रहा।

केंद्रीय टीम ने फाइलेरिया अभियान का लिया जायजा

- ग्रामीणों से सीधा संवाद कर दिए बचाव के टिप्स, प्रधान से लेकर आशा तक सबकी हुई सराहना
- तीनों ब्लॉकों में टीमों का काम दिखा संतोषजनक, कोई भी छूटे नहीं इसलिए शाम को भी खिलाई जाएगी दवा



हरदोई। जनपद में चल रहे फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सामूहिक दवा सेवन (एमडीए) अभियान के क्रियान्वयन की समीक्षा, सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने और फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को सहयोगात्मक पर्यवेक्षण प्रदान करने के लिए गुरुवार को केंद्रीय दल की तीन फील्ड टीमों ने कोथावां, अहिरोरी और बिलग्राम ब्लॉक के चयनित गांवों का भ्रमण किया।

कोथावां ब्लॉक में एनसीवीबीडीसी भारत सरकार, दिल्ली के सीनियर सीएमओ डॉ. सुदर्शन मण्डल, नेशनल लीड (गवर्नमेंट एंड स्ट्रेटेजिक अफेयर्स) सोमनाथ बनर्जी, क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यालय (आरओएचएफडब्ल्यू) उत्तर प्रदेश के आरडी डॉ. जुल्फिकार अहमद, जिला मलेरिया अधिकारी जितेंद्र कुमार, पीसीआई से एएसपीएम विकास, बी.एन गिरी ने निरीक्षण किया।

टीम ए ने कोथावां ब्लॉक के कुर्सी गांव के भ्रमण के दौरान ग्राम प्रधान मिथलेश कुमार की सक्रिय भागीदारी की सराहना की, जो सामुदायिक घोषणा (माइकिंग) के माध्यम से और मना करने वाले लोगों को समझाकर एमडीए अभियान को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सुपरवाइजर के समर्पित प्रयासों और प्रभावी सामुदायिक मोबिलाइजेशन के लिए भी उनके योगदान की सराहना की।

अहिरोरी में पाथ के डिप्टी डायरेक्टर टीम लीड डॉ. अमरेश कुमार, जेडसी डब्ल्यूएचओ डॉ. मनजीत, एसपीएम पीसीआई डॉ. ध्रुव, करमवीर और आरएचओ आशीष ने निरीक्षण किया। टीम बी ने ब्लॉक अहिरोरी के गांव खड़ाखेड़ा में पिछले दिन की फील्ड गतिविधियों की समीक्षा की और एमडीए क्रियान्वयन की प्रगति का आकलन करने के लिए सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया। फील्ड प्रदर्शन (हाउस मार्किंग) में सुधार, प्रभावी घर-घर कवरेज सुनिश्चित करने और दवा सेवन गतिविधियों को मजबूत करने के लिए आशा कार्यकर्ता, टीम को बहुमूल्य फीडबैक और मौके पर ही मार्गदर्शन दिया गया।

बिलग्राम में टीम लीड डॉ. कमलाकर, डब्ल्यूएचओ स्टेट लीड डॉ. तनुज, स्टेट वीबीडी डॉ. जितेंद्र और सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) संस्था से प्रसून द्विवेदी ने निरीक्षण किया। टीम सी ने एमडीए अभियान के अंतर्गत चल रही फील्ड मॉनिटरिंग और सहयोगात्मक पर्यवेक्षण गतिविधियों के तहत ब्लॉक बिलग्राम के गांव हैबतपुर का भ्रमण किया। इस दौरान जिला स्वास्थ्य विभाग से एसीएमओ वीबीडी डॉ. सुरेंद्र कुमार और डीएमओ जितेंद्र यादव भी फील्ड में मौजूद रहे।

बिलग्राम में हैबतपुर और बिंदौरी गांव का भ्रमण किया गया। यहां भी टीम सही से काम करती नजर आई। एनबीएस पॉजिटिव ने 13 दिन की दवा का सेवन किया हुआ है। खेतों पर काम करने वाले, बाहर काम पर जाने वाले और स्कूल के बच्चे जो दिन में घर पर नहीं होते हैं, उन्हें शाम को जाकर दवा खिलाने का सुझाव दिया गया।



बनना चाहते हैं बैंक अधिकारी, आपने होनी चाहिए ये क्वॉलिटीज

बैंकिंग एक ऐसा सर्विस सेक्टर है, जिसमें अपने वित्तीय लेन-देन के लिए आने वाले कस्टमर से कर्मचारियों को सीधे रूबरू होना होता है। जो लोग बैंक में काम करते हैं, असल में वे उस प्रतिष्ठित बैंक के प्रतिनिधि होते हैं। ऐसा कभी-कभी ही होता है कि किसी बैंक का टॉप रैंक का कोई अधिकारी अपने कस्टमर से सीधे डील करे। यह जिम्मेदारी क्लेरिकल काडर या प्रोबेशनरी ऑफिसर की ही होती है। जो कस्टमर आपके बैंक में पैसा रखते हैं या जिनका आपके बैंक से कोई वित्तीय लेन-देन है, उनके लिए बैंक की सेवाओं और कर्मचारियों के व्यवहार का बहुत महत्व हुआ करता है। कस्टमर जितना खुश होगा, वह बैंक के बारे में उतनी अच्छी बातें कहेगा, जिससे बैंकको बिजनेस बढ़ाने में आसानी होगी।

आईबीपीएस के नाम से जाना जाने वाला द इंडियन बैंकिंग पर्सनेल सिलेक्शन की जिम्मेदारी है क्लेरिकल काडर या प्रोबेशनरी ऑफिसर के चयन की। यह भारत की राष्ट्रीयकृत बैंक के लिए क्लर्क और प्रोबेशनरी ऑफिसर चुनता है। हाल ही में आईबीपीएस ने क्लेरिकल काडर के लिए इंटरव्यू किए। इस सबके बावजूद कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह घोषणा की कि सरकारी संस्थाओं में ग्रुप सी और जी पोस्ट के लिए व्यक्तिगत साक्षात्कार की पद्धति खत्म की जाएगी। आईबीपीएस के सामने और कोई विकल्प है ही नहीं। यह पूरी तरह से लिखित परीक्षा (प्रीलिम्स और मेन्स) के परिणामों पर निर्भर नहीं रह सकती है। इसलिए यह मनोवैज्ञानिक टेस्ट करने के बारे में विचार कर रही है। बैंकिग ऐसा क्षेत्र नहीं है जिसमें सिर्फ टैक्निकेलिटीज ही सीखी जाती है। इसमें बड़ी मात्रा में मानवीय मूल्यों और भावनात्मक तत्व भी शामिल होते हैं। इसलिए भी बैंक के कर्मचारियों के लिए इस तरह का टेस्ट जरूरी होता है।

कस्टमर सर्विस

बैंक के कर्मचारियों को हर दिन हजारों कस्टमर्स के साथ डील करना होता है। ब्रांच की प्रतिष्ठा पर कस्टमर की संख्या और कार्य का दबाव निर्भर करता है। कर्मचारियों को यह समझने की जरूरत है कि वे व्यक्तिगत तौर पर चाहे जिस स्थिति में हो काम के घंटों में उन्हें अपने कस्टमर के साथ अच्छे से पेश आना होगा। कस्टमर को रोके रखना और उनमें विश्वास बनाना - एक प्रोबेशनरी ऑफिसर के लिए नए ग्राहक बनाने से ज्यादा जरूरी है अपने पुराने ग्राहकों को बनाए रखना। इस सिलसिले में उन्हें अपने हरेक ग्राहक की जरूरत को जानने और हरेक ग्राहक के महत्व को समझना होगा। तभी वे ग्राहकों में अपने बैंक के प्रति विश्वास जमा पाएंगे। उन्हें अपने बैंक की सेवाओं और कर्मचारियों के व्यवहार के माध्यम से ग्राहकों को अपने ही बैंक से लेन-देन करने के लिए रोके रखना होगा।

योजनाओं की जानकारी

हर बैंक अपने ग्राहकों के लिए कई तरह की स्कीम्स और पॉलिसीज बनाती है, ताकि ग्राहक आकर्षित हो और बारबार उन्हीं की बैंक से लेन-देन करें। इसलिए जो कर्मचारी काम कर रहे हैं, उनके लिए जरूरी है कि उन्हें अपने बैंक की सारी योजनाओं और स्कीम्स की पूरी जानकारी हो।

ग्राहकों से फीडबैक

क्लर्क और ऑफिसर स्तर के कर्मचारी अपने ग्राहकों से फीडबैक लेने के लिए जिम्मेदार हैं, ताकि मैनेजमेंट तक सूचनाएं पहुंचाई जा सके। इससे मैनेजमेंट के लिए अपने ग्राहकों की जरूरत और मांगों को समझने में सुविधा रहती है।

नए ग्राहकों को आकर्षित करना

अच्छी सेवाएं देने वाले बैंकों की अक्सर माउथ पब्लिसिटी से नए ग्राहक आकर्षित होते हैं। इसके लिए जरूरी है कि कर्मचारी अपना व्यवहार भी बेहतर बनाए रखें।

उत्तरदायित्व और विश्वास बनाए रखें



चूंकि ग्राहक बैंक में उसके कर्मचारियों के साथ ही संवाद कायम करते हैं इसलिए बैंक के बारे में छवि भी वे उसी तरह से बनाते हैं। इसके लिए जरूरी है कि कर्मचारियों का ग्राहक से उस तरह का विश्वास का संबंध स्थापित हो सके, ताकि कर्मचारी ग्राहक की जरूरत को समझे और ग्राहक अपनी जरूरत कर्मचारी से कह सके।



जानिए एनिमेशन आपके लिए सही करियर है या नहीं

भारत में एनिमेशन इंडस्ट्री की एंट्री काफी देर से हुई है, फिर भी कम समय में ही इस इंडस्ट्री की ग्रोथ काफी तेजी से हुई है। इस इंडस्ट्री की सबसे रोचक बात यह है कि यह हर साल हजारों 2डी और 3डी एनिमेटर्स को रोजगार दिलाती है। ध्यान रहे, एनिमेशन कार्टून नहीं है। कार्टून एक कैरीकेचर ड्रॉइंग है, जो लोगों को हंसाने के काम आता है, जबकि एनिमेशन एक आर्ट है जो इन कैरेक्टर्स में जान डालने का काम करती है। कम्प्यूटरबेस्ड सिक्वेंसिंग टेक्नीक्स की मदद से एनीमेटेड ऑब्जेक्ट्स में जान डाली जाती है।

कैसे करें प्रवेश

एनिमेशन की दुनिया में शामिल होने के लिए आपको एनिमेशन से ग्रेजुएट या डिप्लोमा होना चाहिए। हालांकि भारत में एनिमेशन में ग्रेजुएट डिग्री बहुत कम ही इंस्टीट्यूट देते हैं। हां, डिप्लोमा के लिए कई अच्छे संस्थान हैं। एनिमेशन फील्ड में बैचलर इन फाइन आर्ट्स (बीएफए) बहुत अहम है। एनिमेशन में बैचलर डिग्री और बीएफए 3 साल के कोर्सेज हैं, जबकि एनिमेशन से डिप्लोमा कोर्स 6 महीने से



लेकर डेढ़ साल तक का होता है। एनिमेशन में डिग्री या डिप्लोमा कोर्स के लिए उम्मीदवार को 45 प्रतिशत अंकों के साथ इंटर पास होना चाहिए।

जल्दी करें शुरुआत

एनिमेशन के लिए किसी स्पेशल सब्जेक्ट की डिमांड नहीं होती लेकिन आपमें स्केचिंग, ड्रॉइंग व कम्प्यूटर के प्रति रुचि होनी चाहिए। यदि आप फाइन आर्ट्स नहीं कर पाते हैं और आपने किसी दूसरी स्ट्रीम को चुना है तो भी एनिमेशन में करियर बना सकते हैं।

क्या यह आपके लिए सही करियर है?

यदि आप काफी क्रिएटिव हैं, तो आपके लिए इस करियर से अच्छा और कोई करियर नहीं हो सकता। एक अच्छा एनीमेटर बनने के लिए आपके अंदर भरपूर जोश और इमेजिनेशन पावर होनी चाहिए। साथ ही आपकी ड्रॉइंग व स्केचिंग भी अच्छी होनी चाहिए। आपको ह्यूमन, बर्ड्स और एनिमल्स के हाव-भाव की समझ होनी चाहिए। कलर्स को लेकर आपका विजुअलाइजेशन बहुत स्ट्रांग होना चाहिए। इस काम के लिए पैशन के साथ ही धैर्य, परिश्रम और समर्पण की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। एनिमेशन एक मल्टीटास्किंग जॉब है, जिसमें आपको टीम के साथ काम करना होता है। इसीलिए आपकी कम्युनिकेशन स्किल भी बेहतर होनी चाहिए, ताकि आप बेहतर आउटपुट दे सकें।

सैलरी कितनी?

आपकी सैलरी पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करती है कि आप कहां काम कर रहे हैं। वैसे अगर आपने बेहतर इंस्टीट्यूट से कोर्स किया है और किसी बड़ी एनिमेशन कंपनी में काम कर रहे हैं, तो शुरुआत 40,000 रुपए प्रतिमाह से हो सकती है, जो आगे आपकी क्रिएटिविटी के अनुसार बढ़ती जाती है।



12वीं के बाद दे सकते हैं ये प्रतियोगी परीक्षाएं

जब भी प्रतियोगी परीक्षाओं का जिक्र होता है, तो आमतौर पर ग्रेजुएशन के बाद ही बड़े अवसर मिलते हैं, लेकिन 12 वीं के बाद भी कई ऐसी सरकारी नौकरियां हैं, जो आपको सीधे ऑफिसर बनने का मौका देती हैं। 12वीं के बाद अगर आप भी नौकरी करना चाहते हैं, तो ये ऑप्शन आपके लिए परफेक्ट साबित होंगे।

भारतीय रेलवे

बहुत से ऐसे स्टूडेंट्स हैं, जो भारतीय रेलवे में काम करने का सपना देखते हैं, अगर आप भी उन्हीं में से एक हैं तो यूपीएससी द्वारा कराए जाने वाले इस एग्जाम में अपियर हो सकते हैं।

स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिस (एससीआरए)

यह एग्जाम बेहद कांपटीटिव होता है क्योंकि इसमें सीट्स बहुत कम होती हैं। इसे क्लियर करने वाले स्टूडेंट्स बतौर टेक्निकल एपरेंटिसेस, द इंडियन रेलवे इंस्टिट्यूट ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग से पढ़ाई करते हैं। यह चार साल का कोर्स करने के बाद स्टूडेंट्स को एक एग्जाम देना होता है और इसके बाद उन्हें सीधे इंडियन रेलवे सर्विसेज ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग के कैडर में ऑफिसर की पोस्ट दी जाती है। इस प्रॉसेस के जरिए आने वाले कैंडिडेट्स के रेलवे में जीएम, डीआरएम के पद पर काम करने का चांस बहुत ज्यादा होता है।

एलिजिबिलिटी- फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स से इंटरमीडिएट।

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी)

इंटरमीडिएट के बाद अच्छी रैंक की सेंट्रल गवर्नमेंट जॉब पाने के लिए एक और कांपटीटिव एग्जाम है, जिसके बारे में ज्यादा स्टूडेंट्स को जानकारी नहीं है। यह एग्जाम एसएससी यानी स्टाफ सिलेक्शन कमिशन कराता है।

कंबाइंड हायर सेकंडरी लेवल (सीएचएसएल)

यह एग्जाम लोअर डिवीजन क्लर्क और डीईओ जैसी पोस्ट्स के लिए कराया जाता है, जो दो भागों में होता है। पार्ट वन रिटन एग्जाम होता है, जबकि पार्ट टू टाइपिंग और कंप्यूटर स्किल्स जानने के लिए कराया जाता है। किसी भी आम कांपटीटिव एग्जाम की तरह इसमें भी इंग्लिश, जनरल इंटेलिजेंस, मैथ्स और जनरल अवेयरनेस जैसे सेगमेंट्स से प्रश्न पूछे जाते हैं।

एलिजिबिलिटी - किसी भी स्ट्रीम से इंटरमीडिएट।

रक्षा सेवाएं

कई स्टूडेंट्स डिफेंस सर्विसेज में अपना करियर प्लान करना चाहते हैं, लेकिन सही गाइडेंस न होने के चलते उन्हें काफी दिक्कतें झेलनी पड़ती हैं। इस फील्ड में आने की प्लानिंग तभी करें, जब आप मेंटल प्रेशर के साथ-साथ फिजिकल स्ट्रेन भी ले सकें।

एनडीए

इंडियन एयरफोर्स, आर्मी या नेवी ज्वॉइन करने के बारे में सोच रहे हैं, तो एनडीए आपको 12 वीं के बाद सेना में सीधे ऑफिसर बनने का मौका देती है।

मर्चेंट नेवी

नेवी में कमर्शियल पर्पज से जुड़ना चाहते हैं, तो मर्चेंट नेवी आपके लिए अच्छा ऑप्शन है।

एलिजिबिलिटी - एयरफोर्स और नेवी व मर्चेंट नेवी के लिए पीसीएम ग्रुप से इंटरमीडिएट। आर्मी ज्वॉइन करने के लिए किसी भी स्ट्रीम से इंटरमीडिएट।

पुलिस/ सीआरपीएफ

अगर आप कठोर परिश्रम करने के साथ कई घंटे लगातार काम करने की क्षमता रखते हैं, तो इस एग्जाम में अपियर हों। कांस्टेबल की पोस्ट के लिए कराए जाने वाले इस एग्जाम में शारीरिक क्षमता काफी मायने रखती है।

एलिजिबिलिटी - किसी भी स्ट्रीम से इंटरमीडिएट।





सोशल अपीयरेंस को लेकर कितना सजग हैं आप!

इस दौर में सोशल मीडिया सिर्फ मनोरंजन का विषय नहीं बचा है। यह जीवन की जरूरत बन गई है। खासतौर पर यदि आप स्टूडेंट हैं या फिर रोजगार की तलाश कर रहे हैं तो आपका सोशल मीडिया पर अकाउंट होना बहुत जरूरी है। इसमें भी हर प्लेटफॉर्म का अपना स्कोप है, अपना महत्व। हा लांकि अब युवाओं में कम ही होंगे, जिनके सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर पर्सनल अकाउंट्स नहीं होंगे। फिर भी यदि आप- को लगता है कि यह टोटल टाइम वेस्टिंग है तो एक बार फिर से सोचिए। क्योंकि अब इस दौर में कंपनियां रिक्रूटमेंट के लिए भी इसका इस्तेमाल करती है। इसे ऐसे भी समझ सकते हैं कि सोशल मीडिया आपके व्यक्तित्व, ज्ञान और कौशल का आइना है। कई बार कंपनियां आपकी बायोडाटा के बाद आपके अकाउंट को भी खंगालती है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि आप यहां बहुत सावधानी से अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं। छोटी-छोटी गलतियां आपके पब्लिक अपीयरेंस के लिए हानिकारक हो सकती है। जानें कि सोशल मीडिया पर आप कैसे और क्या सावधानी रख सकते हैं।

इसका हिस्सा बनें

कुछ लोग इससे इतना डरे हुए रहते हैं कि इस पर अपनी उपस्थिति ही दर्ज नहीं करवाते हैं। कई ऐसे भी हैं, जो कभी हुई किसी गलती से घबराकर अपना अकाउंट ही बंद कर देते हैं। ऐसा कभी न करें। यदि आपको प्रतिस्पर्धा में बने रहना है तो जरूरी है कि आपकी सोशल मीडिया में उपस्थिति दर्ज हों। चाहे इसे व्यक्तिगत न बनाएं, लेकिन व्यापार और रोजगार के लिए तो बनाएं ही। कम से कम लिंक्ड इन में आपका अकाउंट होना ही चाहिए। यही वह जगह है जहां कंपनियां जाकर अपने लिए योग्य उम्मीदवार तलाशती हैं।

लाइक करने से पहले जान लें

कई बार ऐसा होता है कि आप जल्दी-जल्दी में या फिर किसी ऐसे टेक्स्ट को या वीडियो को आप बहुत रेनडमली लाइक कर जाते हैं। बाद में जब कभी आप उसको देखते हैं या पढ़ते हैं तो आपको आश्चर्य होता है कि आपने इसे लाइक कैसे कर दिया? इसलिए कुछ भी लाइक करने या फिर रीट्विट करने से पहले टेक्स्ट्स, लिंक, फोटो और विडियो को बहुत गौर से पढ़ें, देखें, जान लें। ऐसा न हो कि आपने उसे जल्दी-जल्दी में लाइक कर दिया या रीट्विट कर दिया और बाद में पता चला कि आप उससे सहमत नहीं हैं।

निष्क्रिय न रहें

हर जगह अकाउंट बनाने की बजाए सिलेक्टिव रहें। किसी एक साइट पर अपना अकाउंट बनाएं और उसको नियमित चेक करते रहें। ऐसा न हो कि कोई पूछे तो आप कह दें कि अरे... मैंने तो बहुत दिनों से उसे चेक भी नहीं किया है। इस बात से कई अर्थ निकल सकते हैं। इसी के साथ कोई ऐसा अकाउंट जिसमें पुरानी जानकारी दी हो आपने और पुरानी डीपी ही लगाई हो यह आपके अपीयरेंस के लिए अच्छा नहीं है। समय-समय पर अपनी प्रोफाइल को अपडेट भी करते रहें। साथ ही अपना डीपी भी। डीपी बदलते हुए भी सावधानी बरतें... उदास, अस्त-व्यस्त डीपी न लगाएं।

अधूरापन न परोसें

अपनी ट्विट या फिर किसी की ट्विट को शेयर करते हुए ध्यान रहें कि आप एकांगी पोस्ट न शेयर कर रहें हो। आप जो भी ट्विट करते हैं, वहीं आप है, वही आप लोगों तक पहुंच भी रहे हैं। ध्यान रखें कि आपकी पब्लिक इंफॉर्मेशन संतुलित रहे। यदि आप लगातार अपने खुशी के पलों को शेयर कर रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप निश्चित रूप से आत्म-केंद्रित हैं। जरूरी है कि आप अपने समाज के प्रति, राजनीति, साहित्य, फिल्म, संगीत या धर्म के बारे भी लिखे। क्योंकि आपकी व्यक्तिगत चीजों में सिर्फ आपके करीबियों के अतिरिक्त और किसी की रूचि नहीं होती है।

दूसरे टेस्ट: सिराज-जडेजा की होगी वापसी या गुरनूर करेंगे डेब्यू

एजेंसी, क्राइस्टचर्च।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट शुक्रवार से क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में खेला जाएगा। वेलिंगटन में पहला टेस्ट ड्रॉ रहने के बाद दोनों टीमें इस मुकाबले में जीत दर्ज करना चाहेंगी। हालांकि, दूसरे टेस्ट से पहले सबसे ज्यादा चर्चा भारतीय टीम की प्लेइंग-11 को लेकर है। क्या मोहम्मद सिराज की वापसी होगी? क्या रवींद्र जडेजा फिर से अंतिम एकादश में जगह बनाएंगे? या फिर शुभमन गिल पहले टेस्ट में खेलने वाले संयोजन पर ही भरोसा जताएंगे? दूसरी तरफ न्यूजीलैंड को भी तेज गेंदबाजी विभाग में एक बदलाव पर विचार करना पड़ सकता है।

सिराज की वापसी से किस तेज गेंदबाज पर गिरेगी गाज?

भारतीय टीम के सामने सबसे बड़ा चयन का सवाल मोहम्मद सिराज को लेकर है। उन्हें पहले टेस्ट में प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली थी। हालांकि, दूसरे टेस्ट से पहले उनकी वापसी की चर्चा तेज है। सिराज पिछले कुछ वर्षों में विदेश में भारत की टेस्ट जीत का अहम हिस्सा रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, एशिया के बाहर भारत ने



सिराज के बिना सात साल से अधिक समय में कोई टेस्ट नहीं जीता है। इस दौरान टीम की सभी 10 विदेशी टेस्ट जीत में सिराज प्लेइंग-11 का हिस्सा रहे हैं।

हालांकि, सिराज की वापसी इतनी आसान नहीं होगी। पहले टेस्ट में आकाश दीप और अंशुल कंबोज को मौका दिया गया था। कंबोज की बल्लेबाजी और आकाश दीप की गेंदबाजी ने टीम प्रबंधन के सामने चयन का पेच खड़ा कर दिया है। गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल भी स्पष्ट कर चुके हैं कि सभी तेज गेंदबाज फिट और उपलब्ध हैं। ऐसे में अगर सिराज को मौका मिलता है तो आकाश दीप और कंबोज में से किसी एक को बाहर बैठना पड़ सकता है।

चर्चा गुरनूर के डेब्यू की भी है। उन्होंने हालिया प्रदर्शन से प्रभावित किया है और टीम प्रबंधन उन्हें भविष्य के मौके के लिए तैयार रखना चाहता है। हो सकता है उन्हें सिराज पर तरजीह दी जाए। जसप्रीत बुमराह, आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा अपनी जगह बचाने में कामयाब हो सकते हैं।

जडेजा या सुंदर, किसे मिलेगा स्पिन गेंदबाजी का जिम्मा?

भारतीय टीम के सामने दूसरा बड़ा सवाल रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को लेकर है। पहले टेस्ट में जडेजा की जगह सुंदर को मौका मिला था। उन्होंने पहली पारी में न्यूजीलैंड के स्पिन गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन दूसरी पारी में उनसे और योगदान की उम्मीद थी।

अब देखना होगा कि टीम प्रबंधन सुंदर पर भरोसा कायम रखता है या अनुभवी जडेजा की वापसी कराता है। जडेजा गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी में भी उपयोगी योगदान दे सकते हैं। दूसरी ओर सुंदर ने पिछले टेस्ट में मिले मौके का फायदा उठाया था। ऐसे में दोनों के बीच चयन का फैसला आसान नहीं होगा। अगर अंशुल की जगह गुरनूर को खिलाया जाता है तो बल्लेबाजी विकल्प को मजबूत करने के लिए जडेजा को मौका दिया जा सकता है।

न्यूजीलैंड के सामने डफी या फिशर को चुनने की चुनौती

मेजबान न्यूजीलैंड को भी अपनी प्लेइंग-11 में बदलाव करना पड़ सकता है। जैकब डफी पहले टेस्ट में काफी महंगे साबित हुए थे। उन्होंने 200 से अधिक रन खर्च किए और उनकी इकोनॉमी एक रन प्रति गेंद से भी ज्यादा रही। ऐसे में उनके स्थान पर मैट फिशर को मौका देने पर विचार किया जा सकता है।

ब्लेयर टिकनर भी डफी के विकल्प हो सकते थे, लेकिन चोट के कारण वह उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए न्यूजीलैंड के पास डफी और फिशर में से किसी एक को चुनने का विकल्प है। काइल जेमीसन के कार्यभार पर भी टीम प्रबंधन को नजर रखनी होगी। पहले टेस्ट में तेज गेंदबाजों ने काफी मेहनत की थी और दोनों मुकाबलों के बीच सिर्फ तीन दिन का अंतर है।

कैसी हो सकती है दोनों टीमों की प्लेइंग-11?

भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल पारी की शुरूआत कर सकते हैं। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल, कप्तान शुभमन गिल और विकेटकीपर ऋषभ पंत मध्यक्रम की जिम्मेदारी संभालेंगे। ध्रुव जुरेल को भी टीम में जगह मिलने की संभावना है। सातवें नंबर पर सुंदर और जडेजा में से किसी एक को चुना जा सकता है। तेज गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप का खेलना लगभग तय माना जा सकता है। चौथे तेज गेंदबाज के लिए कंबोज, सिराज और गुरनूर के बीच मुकाबला है।

न्यूजीलैंड की ओर से टॉम लाथम और डेवोन कॉनवे पारी की शुरूआत करेंगे। हेनरी निकोल्स, रचिन रवींद्र और डेरिल मिचेल मध्यक्रम में होंगे। टॉम ब्लंडेल विकेटकीपर की भूमिका निभाएंगे, जबकि ग्लेन फिलिप्स और नाथन स्मिथ ऑलराउंडर के तौर पर टीम को संतुलन देंगे।

भारत की संभावित प्लेइंग-11: यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर/रवींद्र जडेजा, अंशुल कंबोज/मोहम्मद सिराज/गुरनूर बराड़, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा।

न्यूजीलैंड की संभावित प्लेइंग-11: टॉम लाथम (कप्तान), डेवोन कॉनवे, हेनरी निकोल्स, रचिन रवींद्र, डेरिल मिचेल, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, नाथन स्मिथ, काइल जेमीसन, मैट हेनरी और जैकब डफी/मैथ्यू फिशर।

श्रीलंका ए ने समाप्त किया भारत ए का सफर, फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, दोहा।

श्रीलंका ए ने भारत ए को आठ विकेट से हराकर एशिया कप राइजिंग स्टार्स के फाइनल में जगह बना ली। भारत ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में आठ विकेट पर 317 रन बनाए। श्रीलंका ने जवाब में 41.3 ओवर में दो विकेट पर 318 रन बनाकर जीत दर्ज की। इस हार के साथ ही भारत ए का सफर सेमीफाइनल में ही समाप्त हो गया है। श्रीलंका ए के लिए इस मैच में लसिथ क्रूसपुले और सिनेथ जयवर्धने ने शतक लगाए, जबकि निशान मादुश्का अर्धशतक लगाकर नाबाद रहे।

विकेट के लिए तरसे गेंदबाज

भारत ए की गेंदबाज बहुत ही खराब रही और टीम के गेंदबाज विकेट के लिए तरस गए। श्रीलंका की ओपनिंग जोड़ी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को शानदार शुरूआत दिलाई और जीत की नींव रखी। भारत ए के गेंदबाजों के पास इस जोड़ी को परेशान करने का कोई तोड़ नजर नहीं आया। क्रूसपुले और जयवर्धने ने पहले विकेट के लिए 174 रनों की साझेदारी की। जयवर्धने और क्रूसपुले शतक लगाकर आउट हुए। तब तक मैच भारत ए के हाथों से निकल चुका था। श्रीलंका ए को जीत दिलाने की औपचारिकता मादुश्का और कप्तान पवन रत्नायके ने पूरी की।



कूसपुले-जयवर्धने के शतक

श्रीलंका ए के लिए क्रूसपुले ने सबसे ज्यादा 107 गेंदों पर 12 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 116 रन बनाए। वहीं, जयवर्धने ने 70 गेंदों पर 10 चौकों और छह छक्कों की मदद से 105 रन बनाए। मादुश्का 56 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 58 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, रत्नायके 16 गेंदों पर एक चौके और तीन छक्कों की मदद से 31 रन बनाकर नाबाद लौटे। भारत के लिए हर्षित राणा और शहबाज अहमद को एक-एक विकेट मिला। श्रीलंका ए का फाइनल में सामना पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच होने वाले एक अन्य सेमीफाइनल की विजेता टीम से रविवार को होगा।

अच्छी शुरूआत का फायदा नहीं उठा सका भारत

इससे पहले, भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया। वैभव सूर्यवंशी ने अभिषेक शर्मा के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 80 रन जोड़े। पिछले मुकाबले में रिकॉर्ड 204 रन की पारी खेलने वाले युवा बल्लेबाज सूर्यवंशी को श्रीलंकाई गेंदबाजों ने काफी चुनौती दी। उन्होंने लगातार वाइड और फुल लेंथ गेंदों का इस्तेमाल किया। आखिरकार सूर्यवंशी शॉर्ट गेंद पर पुल शॉट खेलने के प्रयास में चूक गए और गेंद को हवा में लहराकर कैच दे बैठे। जनिथ लियानागे की गेंद पर लसिथ क्रूसपुले ने उनका कैच लपका। इसके बाद तिलक और अभिषेक ने पारी को संभाला। दोनों ने खराब गेंदों पर चौके लगाए और स्ट्राइक रोटेट करते हुए रन गति बनाए रखी।

भारतीय टीम के मुख्य गेंदबाज हर्षित राणा काफी महंगे साबित हुए और श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने उन्हें जमकर निशाने पर लिया। हर्षित ने सात ओवर में 61 रन लुटाए और उन्हें महज एक सफलता मिली। सूर्यांश शेडगे ने तो दो ही ओवर में 23 रन लुटाए, जबकि अरशद खान ने भी 11.50 की इकॉनोमी से चार ओवर में 46 रन दिए। कुल मिलाकर भारत का कोई गेंदबाज श्रीलंकाई बल्लेबाजों के सामने चुनौती पेश नहीं कर सका। भारत को अगर इस मैच में हार मिली तो उसका मुख्य कारण औसत दर्जे की गेंदबाजी रही।

ईठा: 'हमारी फिल्म आ रही', बॉलीवुड में बड़ा ब्रेक मिलने पर अक्षरा सिंह इमोशनल



भोजपुरी अदाकारा अक्षरा सिंह के सितारे बुलंदी पर हैं। वे बॉलीवुड में भी लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के गाने 'घिस घिस घिस' में उन्हें देखा गया था। अब फिल्म 'ईठा' में उन्हें एक बड़ा मौका मिला है, जिसमें श्रद्धा कपूर लीड रोल में हैं। इसे लेकर अक्षरा काफी खुश हैं और सोशल मीडिया पर इसकी खुशी जाहिर की है।

बोलीं- 'ईठा फिल्म नहीं इमोशन है'

भोजपुरी अभिनेत्री ने आज गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने श्रद्धा कपूर के साथ कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए एक नोट लिखा है। अक्षरा सिंह ने लिखा है, 'इतने दिनों से ये बात दिल में रखी थी। अब फाइनली कह सकती हूं, हमारी फिल्म 'ईठा' 04 दिसंबर को सिनेमाघरों में आ रही है। 'ईठा' मेरे लिए एक इमोशन है'।

श्रद्धा कपूर के लिए क्या कहा?

अक्षरा ने आगे श्रद्धा कपूर की तारीफ में लिखा है, 'श्रद्धा कपूर, बतौर अभिनेत्री मैं हमेशा आपकी कायल रही हूं, लेकिन काम करते हुए आपको करीब से जानना मेरे लिए और भी खास रहा। आप एक बहुत उम्दा इंसान हैं। आपके साथ स्क्रीन शेयर करना कुछ ऐसा है, जिसका जश्न मैं हमेशा मनाऊंगी और संजोकर रखूंगी'।

निर्देशक और पूरी टीम को कहा शुक्रिया

उन्होंने आगे फिल्म के निर्देशक लक्ष्मण उतेकर को टैग करते हुए लिखा है, 'दिल से सबसे बड़ा थैंक्यू आपको सर। मुझ पर भरोसा करने और मुझे ये मौका देने के लिए'। इसके अलावा हर कदम पर सपोर्ट करने के लिए अक्षरा सिंह ने पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया है। अभिनेत्री ने कहा है, 'आप सबने इस सफर को मेरे लिए बहुत खास बना दिया। अब बताइए, 04 दिसंबर को 'ईठा' देखने किसके साथ जा रहे हैं?

विठाबाई के जीवन पर आधारित फिल्म

बता दें कि 'ईठा' की कहानी महाराष्ट्र की दिग्गज तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर के जीवन से प्रेरित है। विठाबाई ने अपनी कला और शानदार प्रस्तुतियों के दम पर लोक रंगमंच की दुनिया में अलग पहचान बनाई थी। उनकी जिंदगी सिर्फ मंच पर मिलने वाली तालियों तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके पीछे संघर्ष, मुश्किलें और कला के प्रति उनका समर्पण भी था। फिल्म के जरिए उनकी इसी असाधारण यात्रा को बड़े पर्दे पर दिखाने की कोशिश की गई है। बिठाबाई के रोल में श्रद्धा कपूर हैं।



भेड़िया 2: चार साल बाद आएगा वरुण धवन की फिल्म का सीक्वल

बॉलीवुड में हॉरर-कॉमेडी फिल्मों की बात हो तो 'भेड़िया' का नाम भी दर्शकों की पसंदीदा फिल्मों में शामिल है। वरुण धवन और कृति सेनन स्टारर इस फिल्म को रिलीज हुए चार साल हो चुके हैं, लेकिन फिल्म के किरदार और कहानी आज भी फैंस के बीच चर्चा में रहते हैं। अब फिल्म की चौथी सालगिरह के मौके पर मेकर्स ने दर्शकों को बड़ा सरप्राइज दिया है। बता दें कि 'भेड़िया 2' की आधिकारिक तौर पर पुष्टि हो गई है और फिल्म पर काम शुरू हो चुका है।

अमर कौशिक ने दिया अपडेट

दरअसल, बुधवार को फिल्म के चार साल पूरे होने पर निर्देशक अमर कौशिक ने सीक्वल को लेकर जानकारी दी। हालांकि, फिल्म अभी कहानी लिखने के स्टेज पर है। अमर कौशिक ने सोशल मीडिया पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया, जिसमें भेड़िया उनके ऑफिस में हंगामा करता और लैपटॉप फेंकता नजर आया. वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, 'भेड़िया इस बात से बहुत खुश नहीं है कि उसकी कहानी लिखने में इतना समय लग रहा है... क्या करें? जल्द आ रहे हैं भेड़िया अंकल।'

सीक्वल की खबर से खुश हुए फैंस

जैसे ही अमर कौशिक की पोस्ट सोशल मीडिया पर सामने आई, फैंस खुशी से झूम उठे। कई लोगों ने कमेंट कर मेकर्स से जल्द फिल्म की कहानी पूरी करने और सीक्वल रिलीज करने की मांग की। एक यूजर ने लिखा, 'फिर आप किस बात का इंतजार कर रहे हैं? भेड़िया 2 जल्द बनाइए।' वहीं दूसरे ने कहा कि वह लंबे समय से सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं और फिल्म की कहानी शानदार होनी चाहिए।

श्रद्धा कपूर और वरुण धवन को साथ देखने की उम्मीद

सीक्वल के ऐलान के साथ ही फैंस ने फिल्म में श्रद्धा कपूर और वरुण धवन को फिर से साथ देखने की इच्छा भी जताई। दरअसल, 'भेड़िया' और 'स्त्री' के कनेक्शन ने दर्शकों के बीच दोनों किरदारों को लेकर उत्सुकता बढ़ाई थी। एक यूजर ने कमेंट किया, 'भेड़िया और स्त्री की पहली मुलाकात को चार साल हो गएष इस पावर कपल की लव स्टोरी का इंतजार है।' वहीं एक अन्य फैन ने भेड़िया और स्त्री की जोड़ी को लेकर लिखा कि उनकी केमिस्ट्री बेहद शानदार है और वह दोनों को फिर साथ देखना चाहते हैं। फिलहाल 'भेड़िया 2' की कहानी पर काम चल रहा है। फिल्म में वरुण धवन और कृति सेनन की वापसी होगी या श्रद्धा कपूर भी इस बार कहानी का हिस्सा बनेंगी, इसे लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

पूनम पांडे ने साधा हानिया आमिर पर निशाना, बोलीं- अब आपको इस देश की जरूरत क्यों पड़ी

पाकिस्तानी सीरियल 'जो बचे हैं संग समेट लो' को लेकर भारत में काफी विवाद हो रहा है। इस मुद्दे पर पूनम पांडे ने भी अपनी राय जाहिर की है। उन्होंने एक बातचीत के दौरान पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर पर तंज कसा। इसके साथ पूनम ने पाकिस्तानी कलाकारों से सवाल किया।

हानिया आमिर पर क्या बोलीं पूनम?

पूनम पांडे अपनी बेबाक राय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने सीरियल 'जो बचे हैं संग समेट लो' के विवाद पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ''लोग बोलते हैं हम कला हैं, कलाकार हैं, और कलाकारों के बीच भेद-भाव नहीं होना चाहिए। बड़े प्यार से सबको एक साथ चलना चाहिए। बहुत दिलचस्प कलाकार हैं, हनिया आमिर। ऐसे बहुत सारे कलाकार हैं जिन्होनें वॉर के वक्त इंडिया के बारे में चीजें बोलीं थी। जब युद्ध चालू होता है, तो आप हमारे बारे में इतना बुरा-भला बोलते हैं, बेझिझक और सार्वजनिक रूप से बोलते हैं। और जब आपको जरुरत पड़ती है तो आपकी मोहब्बत याद आ जाती है। मुझे आपकी ये बात समझ नहीं आती. अपने बयानों पर कायम रहें।''



पूनम का पाकिस्तानी कलाकारों से सवाल

आगे अपनी बातचीत में पूनम ने कहा, ह्यअगर आपको भारत से नफरत है, तो भारत पर इतना प्यार क्यों आ रहा है? हमारी नेटफ्लिक्स की जरूरत क्यों हो गई आपको?। जब आप लोग इतनी हरकतें करते हैं, ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं युद्ध के समय, तो आज आपको इस देश की जरूरत क्यों पड़ रही है? आप अपना नेटफ्लिक्स अपने देश में चलाइये ना।'

'जो बचे हैं संग समेट लो' के बारे में फरहत इश्तियाक के बेस्टसेलिंग उर्दू उपन्यास पर आधारित यह ड्रामा तीन पीढ़ियों की छह प्रेम कहानियों को दिखाता है। इसमें अहद रजा मीर, हानिया आमिर, सनम सईद और इकरा अजीज समेत कई अन्य कलाकार भी शामिल हैं। ट्रेलर 24 नवंबर को जारी हुआ। ट्रेलर के साथ ही इस सीरीज का ओरिजिनल साउंडट्रैक भी जारी किया गया है, जिसमें छह गाने शामिल हैं। सीरीज 'जो बचे हैं संग समेट लो' 4 दिसंबर को दुनिया भर में रिलीज होने वाली है, लेकिन भारत में इसे दिखाया जाएगा या नहीं, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है।

कुशा कपिला: 'शादीशुदा जिंदगी को बचाने का मौका खोया'

कुशा कपिला के पूर्व पति, जोरावर सिंह अहलूवालिया ने सोशल मीडिया पर एक नया पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने ई शुरूआत, आस्था और मुश्किल समय का सामना करने पर अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। इसके साथ ही उन्होंने तलाक और कॉर्पोरेट नौकरी के बारे में काफी कुछ कहा।

क्या है जोरावर सिंह का पोस्ट?

जोरावर सिंह अहलूवालिया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर अपने पेशेवर जीवन और व्यक्तिगत जीवन से जुड़ी कई बातें की। उन्होंने लिखा, ''हर फिल्म ने हमें सिखाया, हर कहानी ने हमें बताया। आपके भीतर ही शक्ति है। आपको बस धैर्य रखना होगा, और जब समय आएगा, तो आप इसे महसूस करेंगे, और अब इसे जाने न देने की आपकी बारी है। मैंने अपना पुराना स्वरूप खो दिया। मैंने खुद पर तरस खाने की भावना खो दी। मैंने खुद पर हार न मानने की प्रक्रिया में हार मान ली। छह बार गिरो, सात बार उठो। जब मैं हारी, तो मैं बिल्कुल निचले स्तर पर पहुंच गया। और जब मैं बिल्कुल निचले स्तर पर पहुंचा, तो मैंने उस निचले स्तर को भी खो दिया।''

शादी और तलाक का भी जिक्र

अपनी पोस्ट में आगे जोरावर सिंह ने लिखा, ''पिछले कुछ वर्षों में, मैंने वो सब कुछ खो दिया जिसकी मुझे दिल से परवाह थी। मैंने अपनी शादीशुदा जिंदगी को बचाए रखने का मौका खो दिया। मैंने अपनी कॉर्पोरेट नौकरी खो दी। मैंने वो घर खो दिया जिसे मैंने खुद बनाया था। मैंने अपना आत्मसम्मान खो दिया। मैंने खुद के बारे में अच्छा महसूस करने की भावना खो दी। मैंने लगातार दूसरों से अपनी तुलना करने की लड़ाई हार गया। और इन सबके साथ-साथ मैंने कुछ और चीजें भी खो दीं।''

कुशा कपिला से कब जुड़ा रिश्ता?

जोरावर और कुशा ने 2017 में शादी की थी और छह साल तक साथ रहने के बाद जून 2023 में उन्होंने अलग होने की घोषणा की। उस समय दोनों ने एक संयुक्त बयान जारी कर पुष्टि की थी कि उन्होंने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है।

